दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 357 | ग्वालियर, शनिवार 07, सितंबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

पहलवान विनेश फोगाट ने छोड़ी रेलवे की नौकरी, कांग्रेस में शामिल होने का ऐलान

नई दिल्ली। प्रसिद्ध पहलवान विनेश फोगाट ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय रेलवे की नौकरी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने इस बारे में खुद ही जानकारी दी और यह भी बताया कि रेलवे में उनके कार्यकाल का समय उनके जीवन के सबसे यादगार और सम्मानित समयों में से एक रहा है। विनेश ने अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने भारतीय रेलवे परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। विनेश फोगाट ने अपने इस्तीफे के बारे में बताते हुए कहा, मेरे जीवन के इस मोड़ पर मैंने रेलवे सेवा से अलग होने का निर्णय लिया है और अपना त्यागपत्र भारतीय रेलवे के अधिकारियों को सौंप दिया है। मैं रेलवे परिवार की हमेशा आभारी रहूंगी जिन्होंने मुझे राष्ट्र की सेवा करने का यह अवसर प्रदान किया।÷ विनेश फोगाट और उनके साथी पहलवान बजरंग पूनिया आज आधिकारिक तौर पर कांग्रेस पार्टी में शामिल होंगे। इससे पहले, विनेश ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की है, जो कि एक शिष्टाचार भेंट के रूप में देखी जा रही है। बजरंग पूनिया भी इस मुलाकात में शामिल होने वाले हैं। विनेश फोगाट का कांग्रेस में शामिल होना हरियाणा की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत दे सकता है। उनकी पहचान और खाप पंचायतों तथा किसानों के साथ मजबूत रिश्ते उन्हें आगामी चुनाव में समर्थन दिला सकते हैं। यह बदलाव हरियाणा विधानसभा चुनाव में महत्वपूर्ण हो सकता है और उनकी राजनीतिक भूमिका को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव 5 अक्टूबर 2024 को होगा और मतगणना 8 अक्टूबर 2024 को की जाएगी। पहले यह चुनाव 1 और 4 अक्टूबर को प्रस्तावित था, लेकिन चुनाव आयोग ने इसे बदलकर 5 अक्टूबर किया है। आयोग ने यह बदलाव बिश्नोई समाज की परंपराओं और उत्सवों का सम्मान करने के लिए किया है, जो आसोज अमावस्या पर अपने गुरु जम्बेश्वर की स्मृति में उत्सव मनाते हैं। राजस्थान की नोखा तहसील में यह मेला पिछले 490 वर्षों से निरंतर आयोजित किया जाता रहा है।

पटना पहुंचे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, 850 करोड़ की स्वास्थ्य परियोजनाओं का किया उद्घाटन और शिलान्यास

पटनाः केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा आज पटना पहुंचे, जहां उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की ओर से 850 करोड़ रुपये की लागत से विकसित की गई विभिन्न स्वास्थ्य परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम पटना के आईजीआईएमएस में आयोजित किया गया, जिसमें नवनिर्मित 188 करोड़ रुपये की लागत से क्षेत्रीय चक्षु संस्थान का उद्घाटन प्रमुख आकर्षण रहा। इस संस्थान से बिहार में नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा सुधार आने की उम्मीद है। कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे और आईजीआईएमएस के निदेशक सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। वहीं, इस भव्य कार्यक्रम से पहले पटना एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने नड्डा का जोरदार स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता झंडे और पोस्टर लेकर पहुंचे थे, जहां जेपी नड्डा का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं में इस अवसर को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला।

बॉर्डर 2 में पंजाब के मशहूर एक्टर की एंट्री, बोले- पहली गोली दुश्मन चलाएगा और आखिरी गोली हम

नई दिल्ली। सनी देओल की सुपरहिट फिल्म बॉर्डर को कौन नहीं जानता! भारतीय सेना की शौर्यगाथा पर आधारित यह फिल्म बॉलीवुड की सबसे बड़ी हिट्स में से एक रही है। गदर 2 की जबरदस्त सफलता के बाद जब सनी देओल ने बॉर्डर 2 की घोषणा की, तो फैंस में इस फिल्म को लेकर काफी उत्सुकता बढ़ गई। अब इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ की एंट्री से फैंस की एक्साइटमेंट और भी ज्यादा बढ़ गई है। दिलजीत दोसांझ, जो इस साल कई सफल फिल्मों का हिस्सा रहे हैं, अब बॉर्डर 2 में सनी देओल के साथ नजर आएंगे। फिल्म के नए प्रोमो में दिलजीत की एंट्री की घोषणा की गई है, जिसमें सोनू निगम की आवाज में बॉर्डर का लोकप्रिय गाना संदेसे आते हैं सुनाई देता है। इसके बाद दिलजीत का नाम स्क्रीन पर आता है, साथ ही उनकी आवाज में एक जोशीला डायलॉग भी सुनाई देता है - ÷स देश की तरफ उठने वाली हर नजर झुक जाती है खौफ से... इन सरहदों पर जब गुरु के बाज पहरा देते हैं! दिलजीत ने खुद भी अपने इंस्टाग्राम पर इस खबर को शेयर करते हुए लिखा, पहली गोली दुश्मन चलाएगा और आखिरी गोली हम! ऐसी पावरफुल टीम के साथ खड़ा होकर और हमारे सैनिकों के कदमों पर चलकर सम्मानित महसूस हो रहा है।

पीएम मोदी ने जल संचय जनभागीदारी पहल की शुरूआत की, कहा- जागरूकता इसकी सबसे बड़ी ताकत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को यहां 'जल संचय जनभागीदारी पहल की शुरुआत की और कहा कि जल-संरक्षण केवल नीतियों का नहीं बल्कि सामाजिक निष्ठा का भी विषय है तथा जागरूकता, जनभागीदारी और जन आंदोलन इसकी सबसे बड़ी ताकत हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि पिछले दिनों अप्रत्याशित बारिश का जो 'तांडव हुआ, उससे देश का शायद ही कोई ऐसा इलाका होगा, जिसको संकट का सामना न करना पड़ा हो। उन्होंने कहा, ''इस बार गुजरात पर बहुत बड़ा संकट आया। सारी व्यवस्थाओं की ताकत नहीं थी कि प्रकृति के इस प्रकोप के सामने हम टिक पाएं। लेकिन गुजरात के लोगों और देशवासियों का स्वभाव एक है कि संकट की घड़ी में कंधे से कंधा मिलाकर हर कोई, हर किसी की मदद करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जल संचय केवल एक नीति नहीं है बल्कि एक पुण्य भी है जिसमें उदारता और उत्तरदायित्व दोनों हैं। उन्होंने कहा, ''आने वाली पीढ़ियां जब हमारा आंकलन करेंगी तो पानी के प्रति हमारा रवैया, शायद उनका पहला मानदंड होगा।

उन्होंने कहा, ''जल संरक्षण, प्रकृति संरक्षण.. ये हमारे लिए कोई नए शब्द नहीं हैं। यह हालात के कारण हमारे हिस्से आया काम है। यह भारत की सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा है। जल-संरक्षण केवल नीतियों का नहीं, बल्कि सामाजिक निष्ठा का भी विषय है। जागरूक जनमानस, जनभागीदारी और जन आंदोलन.. ये इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत में साफ पानी के मात्र चार प्रतिशत संसाधन हैं और देश के कई हिस्से जल संकट का सामना कर रहे हैं। 'एक पेड़ मां के नाम अभियान का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि जब वृक्ष लगते हैं तो जमीन में पानी का स्तर तेजी से बढ़ता है। उन्होंने कहा, ''बीते कुछ सप्ताह में ही मां के नाम पर देश में करोड़ों पेड़ लगाए जा चुके हैं। ऐसे कितने ही अभियान और संकल्प हैं, जो 140 करोड़ देशवासियों की भागीदारी से आज जनांदोलन बनते जा रहे हैं।

69 हजार शिक्षक भर्ती मामलाः अभ्यर्थियों ने घेरा डॉ. संजय निषाद का आवास

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन जारी है। अभ्यर्थी धरना प्रदर्शन कर अपना पक्ष रख रहे है। कल सीएम योगी आदित्यनाथ अभ्यर्थियों से मुलाकात करेंगे। इससे पहले आज यानी शुक्रवार को अभ्यर्थियों ने यूपी सरकार के मंत्री डॉ. संजय निषाद के आवास का घेराव किया है। अभ्यर्थियों ने उनके आवास के सामने धरना प्रदर्शन और नारेबाजी की है। जानकारी के मुताबिक, आज अभ्यर्थियों ने यूपी सरकार के मंत्री डॉ. संजय निषाद के आवास के सामने प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। अभ्यर्थियों ने सरकार पर भर्ती में आरक्षण का घोटाला करने का आरोप लगाया है और पिछड़े वर्ग और अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने की मांग की है। बता दें कि इसके पहले अभ्यर्थियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सहित यूपी के डिप्टी

सीएम केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री ओम प्रकाश राजभर और आशीष पटेल के आवास का भी घेराव किया। ओपी राजभर ने अभ्यर्थियों से मुलाकात की। उन्होंने अभ्यर्थियों से शिकायत पत्र लिया। फिर उनकी मांग को सुना। इस दौरान उन्होंने कहा कि सीएम योगी पर भरोसा रखिए आप को न्याय मिलेगा।

बता दें कि 69000 शिक्षक भर्ती में चयनित अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी सेवा सुरक्षा आदि को लेकर रिट दायर की थी। रवि सक्सेना आदि की इस रिट पर 9 सितंबर को चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ सुनवाई करेगी। अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थी विनय पांडेय ने बताया कि इस मामले में कई रिट हुई हैं। उम्मीद है कि सभी पर एक साथ 9 सितंबर को सुनवाई होगी। इसमें एक ही भर्ती में कई बार आरक्षण का मुद्दा प्रमुखता से उठाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों से शनिवार की शाम को गोरखपुर में मिलेंगे। इस संबंध में पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर व लखनऊ प्रशासन ने अभ्यर्थियों को सूचना दे दी है।

बारिश से मची तबाही, 170 बच्चों समेत 337 लोगों की मौत, 5 हजार से ज्यादा लोग बेघर

नई दिल्ली। हाल ही में एशिया के कई देशों में मानसूनी बारिश ने गंभीर हालात उत्पन्न कर दिए हैं। भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, और श्रीलंका जैसे देशों में बारिश का दौर जारी है, लेकिन पाकिस्तान में हालात सबसे ज्यादा चिंताजनक हो गए हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (ह्ढ्ढ्र) के अनुसार, इस भारी बारिश और बाढ़ के कारण 170 बच्चों समेत कुल 337 लोगों की जान चली गई है। इसके अलावा, 5,000 से अधिक लोग बेघर हो गए हैं और खुले आसमान के नीचे, बिना भोजन के जीवन बिताने पर मजबूर हैं। सेव द चिल्ड्रन नामक संगठन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के सिंध प्रांत में करीब 72,000 बच्चों की शिक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। बारिश के कारण स्कूल बंद हो गए हैं और

बच्चों की पढ़ाई रुक गई है। यह स्थिति उनकी शिक्षा और भविष्य पर दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकती है, क्योंकि शिक्षा में आई इस रुकावट से बच्चों का शैक्षिक विकास प्रभावित हो रहा है। पाकिस्तान मौसम विभाग के अनुसार, देश में मानसून का मौसम सामान्यतः जुलाई से सितंबर तक रहता है। इस साल, शुरुआती दो महीनों में बारिश का पैटर्न काफी असामान्य रहा है। जुलाई में बारिश का आंकड़ा औसत से थोड़ी कम रहा, लेकिन अगस्त में बारिश का स्तर औसत से 137त्न ज्यादा दर्ज किया गया। सितंबर के महीने में मौसम सामान्य रहने की संभावना जताई गई है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान में बारिश का पैटर्न बदल रहा है। अब बारिश दक्षिण की ओर बढ़ रही है, जबकि पहले यह आमतौर पर ऊपरी इलाकों में ज्यादा होती थी। इस बदलाव के कारण पाकिस्तान के दक्षिणी प्रांतों सिंध और बलूचिस्तान में सामान्य से दोगुनी बारिश हुई है, जबकि उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों में कम बारिश देखी गई है। पाकिस्तान ने 2022 में एक विनाशकारी बाढ़ का सामना किया था, जिसने देश का लगभग एक तिहाई हिस्सा जलमग्न कर दिया था और करीब 30 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ था। इस अनुभव ने पाकिस्तान को बेहतर तैयारियों और पूर्वानुमान प्रणाली की दिशा में महत्वपूर्ण सबक सिखाए हैं। इस बार, पाकिस्तान ने बेहतर तकनीकी प्रबंधन और समन्वय के माध्यम से स्थिति को संभालने की कोशिश की है। इस सुधार के कारण, हालांकि नुकसान हुआ है, लेकिन यह 2022 जैसी स्थिति की तुलना में काफी कम है। पाकिस्तान की स्थिति को देखते हुए, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने भी सहायता प्रदान की है। जुलाई 2023 में, एशियाई विकास बैंक ने सिंध प्रांत में बुनियादी ढांचे और घरों के पुनर्निर्माण के लिए 400 मिलियन डॉलर का ऋण मंजूर किया था। इसके अतिरिक्त, जनवरी 2023 में आयोजित एक दानदाता सम्मेलन में, विभिन्न दानदाताओं ने 9 बिलियन डॉलर की सहायता का वादा किया था, जो पाकिस्तान को बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण में मदद करेगा।

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बड़ा बयानः आर्मी कमांडर्स को युद्ध के लिए तैयार रहने का निर्देश

नई दिल्ली। भारत के केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण बयान देते हुए कहा है कि भारत हमेशा शांति का पक्षधर रहा है, लेकिन वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए, उन्होंने सेना कमांडरों को सलाह दी है कि उन्हें युद्ध के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए। मीडिया से बातचीत करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, भारत ने हमेशा शांति का संदेश दिया है और 'वसुधैव कुटुम्बकम' के सिद्धांत को अपनाया है। भारत हमेशा शांति का समर्थन करता आया है, और यह जारी रहेगा। हालांकि, आज के वैश्विक हालात को देखते हुए, मैंने अपने आर्मी कमांडर्स से कहा है कि हमें युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। इसका उद्देश्य है कि किसी भी हालात में हमारी शांति भंग न हो सके। गुरुवार को लखनऊ में आयोजित आर्मी कमांडरों के सम्मेलन में, राजनाथ सिंह ने वैश्विक संघर्षों जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल-हमास विवाद और बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति का उल्लेख किया। उन्होंने कमांडरों से इन घटनाओं का गहराई से विश्लेषण करने की अपील की और भविष्य में संभावित चुनौतियों का पूर्वानुमान लगाने की सलाह दी। रक्षा मंत्री ने उत्तरी सीमा पर सुरक्षा स्थिति और पड़ोसी देशों में हो रही घटनाओं के बारे में सतर्क रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। राजनाथ सिंह ने कहा, ÷वैश्विक अस्थिरता के बावजूद, भारत शांति और विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। लेकिन बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए हमें सतर्क रहने की जरूरत है। हमे वर्तमान की गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करना होगा और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहना होगा। इसके लिए एक मजबूत और सुदृढ़ राष्ट्रीय सुरक्षा प्रणाली की आवश्यकता है। हमारे पास अचूक प्रतिरोधक क्षमता होनी चाहिए। रक्षा मंत्री ने अंतरिक्ष और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध की क्षमताओं के विकास की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने आर्मी कमांडरों से डेटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी प्रगति को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ये तकनीकी घटक सीधे संघर्ष में भाग नहीं लेते, लेकिन उनकी अप्रत्यक्ष भागीदारी युद्ध की दिशा तय कर सकती है।

डकैती मामले में आरोपी मंगेश यादव के घर पहुंचा सपा डेलिगेशन, सुल्तानपुर एनकाउंटर पर सवाल

जौनपुर (जावेद अहमद)= यूपी के सुल्तानपुर जिले में दिनदहा? असलहे के दम पर 1.35 करो? की डकैती के मामले में पुलिस हफ्ते भर में तीन बदमाशों को एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया। जिसमें मंगेश यादव को एसटीएफ टीम ने एनकाउंटर में मार गिराया। सरकार पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए आज सपा का प्रतिनिधि मंडल मंगेश के घर जौनपुर पहुंची है।

जहां आरोपी मंगेश यादव का शव रखा हुआ था परिजन रोते-बिलखते हुए मंगेश के बारे में बता रहे थे। इस दौरान सपा प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने परिवार को सहानुभूति दी और मीडिया से बातचीत की। योगी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासन केवल यादव, मुस्लिम और ओबीसी के लोगों को जानबूझकर टारगेट कर रही है। सपा ने सवाल किया कि क्या अति पिछड़ा, यादव और मुस्लिम दूसरे देशों से आए जो इनके साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है। सपा के सदस्यों ने यह भी कहा कि इस परिवार की मदद करने के लिए अध्यक्ष अखिलेश यादव को सारी जानकारी दे दी गई अब वह जैसे निर्णय लेंगे आगे की कार्रवाई वैसे ही की जाएगी। मंगेश यादव के एनकाउंटर को लेकर सपा का कहना है कि जो वास्तव में एनकाउंटर के लायक हैं वो तो सड़कों पर घूम रहे हैं। जौनपुर एसएसपी का उनका लिस्ट जारी करना चाहिए जिन पर 3 या 4 से ज्यादा मुकदमा दर्ज है और जिन पर इतने मुकदमें हैं वह क्यों बाहर घूम रहे हैं। मंगेश यादव को लेकर कहा कि यह 19 साल का लड़का कितना

बड़ा अपराधी था, जिसे पुलिसवाले ले जाकर यादव, सपा के नाम पर हत्या कर दी है। यूपी के सुल्तानपुर जिले में दिनदहाड़े असलहे के दम पर 1.35 करोड़ की डकैती के मामले में पुलिस हफ्ते भर में तीन बदमाशों को एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस की कार्रवाई को लेकर प्रदेश में सियासी जंग छिड़ गया है। दरअसल, इस घटना के बाद फरार चल रहे मुख्य आरोपी और एक लाख के इनामी बदमाश मंगेश यादव को एसटीएफ टीम ने एनकाउंटर में मार गिराया है। उधर जैसे ही इस पुलिस एनकाउंटर की सूचना आई, मामले में राजनीति शुरू हो गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गंभीर आरोप लगाते हुए एनकाउंटर को ही फर्जी बता दिया है। उन्होंने सीधे-सीधे आरोप लगाया है कि डकैतों में शामिल सत्ता पक्ष के करीबी लोगों को सिर्फ दिखावटी गोली मारी गई और जात देखकर जान ली गई। अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा है, ÷लगता है सुल्तानपुर की डकैती में शामिल लोगों से सत्ता पक्ष का गहरा संपर्क था, इसीलिए तो नक़ली एनकाउंटर से पहले 'मुख्य आरोपी' से संपर्क साधकर सरेंडर करा दिया गया और अन्य सपक्षीय लोगों के पैरों पर सिर्फ़ दिखावटी गोली मारी गयी और 'जात' देखकर जान ली गयी। जब मुख्य आरोपी ने सरेंडर कर दिया है तो लूट का सारा माल भी पूरा वापस होना चाहिए और सरकार को मुआवज़ा अलग से देना चाहिए क्योंकि ऐसी घटनाओं का जो मानसिक आघात होता है उससे उबरने में बहुत समय लगता है, जिससे व्यापार की हानि होती है, जिसकी क्षतिपूर्ति सरकार करे। नक़ली एनकाउंटर रक्षक को भक्षक बना देते हैं। समाधान नक़ली एनकाउंटर नहीं, असली क़ानून-व्यवस्था है। भाजपा राज अपराधियों का अमृतकाल है। जब तक जनता का दबाव व आक्रोश चरम सीमा पर नहीं पहुंच जाता है, तब तक लूट में हिस्सेदारी का काम चलता रहता है और जब लगता है जनता घेर लेगी तो नक़ली एनकाउंटर का ऊपरी मरहम लगाने का दिखावा होता है। जनता सब समझती है कि कैसे कुछ लोगों को बचाया जाता है और कैसे लोगों को फँसाया जाता है। घोर निंदनीय! मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ के दौरान मंगेश यादव गोली लगने से घायल हो गया। जिसके बाद घायल बदमाश को सीएचसी भधइयां में इलाज के लिए भेजा गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं मुठभेड़ के दौरान पुलिस को मौके से 32 बोर की एक पिस्टल, कारतूस, 315 बोर का एक तमंचा, एक बाइक और लूटे गए जेवर बरामद हुए हैं। बताया जा रहा है कि मारे गया बदमाश मंगेश यादव जौनपुर का रहने वाला था और उस पर पहले से ही कई मुकदमे दर्ज थे। बीते 28 अगस्त को सुल्तानपुर में भरत ज्वैलर्स के यहां दिन दहाड़े डकैती डाली गई थी। मंगेश यादव इस वारदात में भी शामिल था।

भजनों से किया आईमाता की महिमा का बखाण

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

चेन्नई। सीरवी समाज तामिलनाडु टिपलीकैन की ओर से समाज का वार्षिक सम्मेलन और भादवी बीज महोत्सव गुरूवार को वडेर में भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाया गया। आईमाता वडेर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। महाआरती के बाद समोरह का शुभारंभ हुआ। अध्यक्ष खेताराम गहलोत ने स्वागत करते हुए सभी के सहयोग की सहारना की। समाज के विकास कार्यो पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य अतिथि के रूप में आर.बी. चौधरी ने समाज की धार्मिक आस्था की सराहना करते हुए कहा कि समाज की प्रगति से जुड़े किसी भी कार्य के प्रति समर्पण भाव सराहनीय है। सचिव अमरचंद परिहारिया ने समाज सेवा के साथ व्यापार में भी आगे बढ़ने का आह्वान किया। कोषाध्यक्ष उमाराम परिहारिया ने वार्षिक आय-व्यय का ब्यौरा दिया। इससे पूर्व बुधवार रात्रि भजन संध्या में भजन गायक खेताराम गहलोत, इन्दाराम परिहार, हीरालाल चोयल, प्रकाश राठौड़, सोहनलाल परिहार ने माता के भजनों की प्रस्तुतियां दी। भजनों पर श्रद्धालु

भावविभोर होकर झूमते रहे। वार्षिकोत्सव के निर्मित आईमाता मंदिर को फूलों एवं रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया। मंदिर के मुख्य द्वार पर भी विशेष सजावट की गई। रात्रि जागरण में वार्षिक चढ़ावों की बोलियां लेने वाले लाभार्थियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में महाप्रसादी का आयोजन रखा गया। जिसमें सपरिवार ने महाप्रसादी का लाभ लिया। इस अवसर पर बिजाराम परिहारिया ने विचार व्यक्त किए। प्रवीण राठौड़ ने आईमाताजी के इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मारवाड़ से आए हीमताराम गेहलोत(पिपलाज)ने सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष कानाराम सिन्दडा, सह-सचिव नारायणलाल चोयल, सह-कोषाध्यक्ष टुआराम गहलोत, ढगलाराम आगलेचा, कुकाराम गहलोत, हीरालाल चोयल, ओगड़राम काग एवं नवयुवक मंडल के अध्यक्ष भगाराम बर्फा, सचिव हरीराम सेपटा एवं महिला मंडल आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने एवं व्यवस्था में सहयोग देने के लिए नवयुवक का विशेष सहयोग रहा।

भजनों से किया आईमाता की महिमा का बखान

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू। सीरवी सेवा संघ ट्रस्ट अडकमारनहल्ली आईमाता वडेर में दो दिवसीय भादवी बीज महोत्सव मनाया गया। गुरूवार को सुबह पूजा -अर्चना की गई। आरती के पश्चात धर्मसभा का आयोजन हुआ। संस्था के अध्यक्ष नेमाराम सेंणचा ने स्वागत किया। इससे पूर्व संध्या बुधवार को एक शाम माता के नाम भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजनों का आगाज गणपति वदंना प्रस्तुति से हुआ। महादेव भजन मंडली ने राजस्थानी लोक भजनों की प्रस्तुतियां दी। भजनों पर देर रात समाज बन्धु झूमते रहे। आयोजित कार्यक्रम में समाज बन्धुओ ने महाप्रसादी का सपरिवार लाभ लिया। महाप्रसादी के लाभार्थी लक्ष्मणराम बर्फा परिवार रहे। इस अवसर पर उपाध्यक्ष रतन मुलेवा, सचिव माधुराम राठौड़, कोषाध्यक्ष मोहन लाल गहलोत, सीरवी महासभा कर्नाटक के सदस्य जगदीश लचेटा मौजूद रहे। मंच का संचालक मोहन सीरवी ने किया।

दबोह भाजपा मंडल शक्ति केंद्र प्रभारियों की बैठक आयोजित

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- भारतीय जनता पार्टी दबोह मंडल प्रभारी तथा शक्ति केंद्र के प्रभारियों की स्थानीय रेस्ट हाउस पर एक बैठक आयोजित की गई।जिसमें शक्ति केंद्र के सह प्रभारी भी उपस्थित रहे।बैठक को सबसे पहले अंजनी कुरचानिया ने सम्बोधित करते हुए नए सदस्य बनाने के लिए आबश्यक जानकारी दी।वही उन्होंने बताया कि हमे लहार विधान सभा मे दबोह मंडल को सबसे ऊपर रखना है इस के लिए हम सभी को मेहनत करनी पड़ेगी और इसके लिए ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाने है।वही शिवकुमार गोस्वामी ने कहा कि हमे नगर के प्रत्येक वार्डो में पहुंच कर वहां के पन्ना प्रमुख,बार्ड अध्यक्ष के साथ कार्यकर्ताओं से मिल कर काम करना है। जिससे अपने मंडल की सदस्यता सबसे अधिक हो सके। इस बैठक को नगर महामंत्री राव साहब गुर्जर ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर केशव बिजपुरिया,अंजनी कुरचानिया,शिवकुमार गोस्वामी, संजीव यादव,शरद खेमरिया, कुलदीप यादव, राजा यादव,अरविंद बिजपुरिया, राजनारायण श्रीधर,राकेश यादव,पवन मुद्गल, शुभम श्रीवास्तव, सन्तोष त्रिपाठी, कोमल पाल,भरत दीक्षित आदि मौजूद रहे।कार्यक्रम का संचालन पार्षद लालता कुशबाह ने किया।

आगामी त्योहारों को लेकर खरगोन पुलिस द्वारा ली गई शांति समिति की बैठकें

बैठक मे सभी समाज के गणमान्य नागरिक हुए शामिल, आगामी त्योहारों के मद्देनजर ली गई बैठक, जिले के समस्त थानों एवं चौकियों पर ली गई बैठक, कोतवाली खरगोन मे रहवासियों से चर्चा कर ली गई मोहल्ला मीटिंग, बैठक में अनुभाग के एसडीएम व एसडीओपी भी रहे शामिल

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार आगामी गणेश चतुर्थी, ढोल ग्यारस, ईद व अनंत चतुर्दशी आदि त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना के निर्देशन, अति. पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री तरूणेन्द्रसिंह बघेल व अति.पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री मनोहरसिंह बारीया के मार्गदर्शन मे जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व थाना प्रभारियों को समाज के गणमान्य नागरिको की बैठक ली जाने हेतु निर्देशित किया गया था । इसी क्रम मे जिले के समस्त थानों एवं चौकियों पर कानून व्यवस्था व सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए थाना व चौकी क्षेत्रों के शांति समिति के सदस्य व समाज के गणमान्य नागरिको की बैठक ली गई है । उक्त बैठक मे पुलिस के द्वारा शांतिपूर्ण तरीके से त्यौहार मनाने की अपील की गई साथ ही साथ सोशल मीडिया पर भ्रामक एवं विवादित पोस्ट/संदेश डालने से बचने व अफवाहों पर ध्यान न देने के लिए भी बताया गया।

पत्रकार स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना

आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि 20 सितम्बर तक

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

पत्रकार, फोटोग्राफर एवं कैमरामैन को स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा की सुरक्षा,स्वास्थ्य बीमा रुपये 4 लाख और व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा रुपये 10 लाख का होगा। साथ ही स्वास्थ्य बीमा 2 लाख रुपये और व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा 5 लाख रुपये का भी विकल्प होगा। पत्रकार 4 लाख अथवा 2 लाख रुपये का बीमा करवा सकते हैं। 21 से 70 वर्ष की उम्र के संचार प्रतिनिधि इसके पात्र होंगे। पूर्व से बीमित पत्रकार 70 वर्ष की उम्र के बाद भी योजना के पात्र होंगे। बीमा एक साल के लिये किया जायेगा। 60 वर्ष तक के संचार प्रतिनिधि की वार्षिक बीमा प्रीमियम का 75 प्रतिशत और 61 से 65 वर्ष के संचार प्रतिनिधियों की बीमा प्रीमियम का 85 प्रतिशत भुगतान राज्य सरकार द्वारा किया जायेगा। पति, पत्नी, बच्चों (अधिकतम 25 वर्ष तक के तीन अविवाहित) एवं माता-पिता को निर्धारित प्रीमियम देने पर, योजना में शामिल किया जा सकेगा। बीमा पॉलिसी में पहले से विद्यमान सभी बीमारियाँ शामिल होंगी। जनसम्पर्क संचालनालय के अधिमान्य पत्रकारों के साथ ही संचार संस्थान का फार्म-16 एवं पीपीएफ कटौत्री की स्लिप देने वाले पत्रकारों को भी पूर्वानुसार पात्रता होगी। मध्यप्रदेश के मूल निवासी नई दिल्ली में कार्यरत पत्रकारों को भी योजना में पात्रता होगी। गैर अधिमान्य पत्रकारों के लिये 50 प्रतिशत प्रीमियम पत्रकार द्वारा और 50 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा दिया जायेगा। इस श्रेणी में दैनिक समाचार-पत्र के चार, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक पत्र-पत्रिका और इलेक्ट्रॉनिक एवं जनसंपर्क संचालनालय, डीएव्हीपी में पंजीकृत वेब मीडिया के दो-दो प्रतिनिधियों को योजना में पात्रता होगी। इसमें निर्धारित संख्या के अनुसार प्रथम प्राप्त 4/2 आवेदनों पर ही विचार किया जायेगा।

टीचर डे पर डीएन इवेंट ग्रुप ने तितिरगाँव के आश्रम में ज्ञान कक्षा पुस्तकालय का उद्घाटन किया, बच्चों के सपनों को दी नई उड़ान

जगदलपुर – 5 सितः गायत्री विद्यापीठ, तीतीरगांव आश्रम के बच्चों के लिए एक यादगार बन गया, जब डीएन इवेंट ग्रुप ने ज्ञान कक्षाड़ पुस्तकालय का उद्घाटन किया। शिक्षक दिवस के इस खास मौके पर, यह पहल उन बच्चों के लिए आशा की किरण बनकर आई है, जिनके पास शिक्षा के साधन सीमित थे।इस पुस्तकालय में न केवल किताबें, बल्कि कंप्यूटर और जियो वाई-फाई जैसी सुविधाएं भी मुहैया कराई गई हैं, ताकि बच्चे अपने सपनों की ओर आत्मविश्वास से बढ़ सकें। डीएन इवेंट की फाउंडर डॉ निहारिका मोदी ने कहा, ÷यह सिर्फ एक पुस्तकालय नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य को संवारने का एक प्रयास है।÷इस टीचर डे पर, ड़ज्ञान कक्षाड़ के माध्यम से बच्चों को उनके सपनों को साकार करने का एक नया रास्ता मिला है। यह पहल शिक्षा के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है, जो इन नन्हे कदमों को नए आयामों तक ले जाएगी। इस खास मौके के उपलक्ष्य पर मुख्य अतिथि पदमश्री धर्मपाल सैनी जी, विशिष्ट अतिथि श्री श्रीनिवास मद्दी एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री उदित पुष्कर साथ ही अनिल लुकड मनोज पनिग्रही, विवेक सोनी, ॥सिंह, मनीष मूलचंदानी, सुनील दंडवानी, विनीत अग्रवाल, रुपेश मोदी, उपस्थित थे इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अखिल मेहता, निहाल साव, फैज, रिशी मोदी, शिल्पी गर्ग, एवं स्कूल प्रबंधन का भरपूर साथ मिला

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ बेताल सिंह गौड़

आज शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मौ में सभी प्राचार्य एवं नगर परिषद मौ के द्वारा सम्मान समारोह कार्यक्रम रखा गया जिसमें नगर परिषद अध्यक्ष वंदना सज्जन सिंह यादव ने अपने जन्म दिवस के मौके पर शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल को गोद लिया स्कूल की संरक्षक जिम्मेदारी ली साथ ही में मौ नगर के पत्रकारों का सम्मान किया गया इस मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष वंदना सज्जन सिंह यादव, उपाध्यक्ष नीरू पंकज कुशवाह, नगर परिषद सीएमओ महेश पुरोहित, प्राचार्य एम एल वर्मा, मौ थाना प्रभारी संतोष यादव, प्राचार्य बृजेंद्र सिंह गुर्जर , पार्षद डॉ रणवीर यादव, महामंत्री राजू मिश्रा, शैलेंद्र मिश्रा, पार्षद सुल्तान मौर्य, पार्षद प्रमोद यादव, पार्षद मायाराम यादव, पार्षद वीरेन्द्र यादव।

जीडीए का विशेष शिविर 9 से

ग्वालियर। ग्वालियर विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा एक विशेष शिविर का आयोजन 9 से 13 सितम्बर तक जीडीए परिसर में कार्यालय समय के दौरान किया गया है। यह शिविर लीज होल्ड प्लॉट को फ्रीहोल्ड में बदलने के लिए ट्रांसपोर्ट नगर और विनय नगर योजना के सभी आवंटियों के लिए आयोजित किया जा रहा है। जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार सभी पात्र आवंटी इस शिविर का लाभ कर रूपांतरण प्रक्रिया को पूरा करें।

स्काउट गाइड के छात्र-छात्राओं का स्काउटिंग परंपराओं के अनुसार किया गया दीक्षा संस्कार

स्काउट गाइड का हुआ दीक्षा संस्कार

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

दतिया। शासकीय बालक हायर सेकेंडरी स्कूल सेवाड़ा के प्रांगण में विद्यालय के स्वामी विवेकानंद स्काउट दल में प्रशिक्षु स्काउट व गया का दीक्षा संस्कार कर दल में शामिल किया गया, इसी क्रम में शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल सेवाड़ा के , 12 गाइड छात्राओं को दीक्षित कर, विद्यालय की ,वीरांगना लक्ष्मीबाई गाइड कंपनी में शामिल किया गया, इस अवसर पर मुख्य रूप से मुख्य अतिथि, एवं मार्गदर्शक के तौर पर जिला संगठन आयुक्त स्काउट श्री अतिबल सिंह उपस्थित रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य पदेन रुप लीडर श्री बी डी सिंह द्वारा की गई, दीक्षांत कार्यक्रम के समय स्काउट गाइड का झंडा फहराया गया और उसे झंडे के नीचे खड़े होकर एक दूसरे ध्वज पर हाथ रखते हुए सभी स्काउट गाइड ने स्काउट की प्रतिज्ञा ली और मुख्य अतिथियों एवं पदाधिकारीओ और प्राचार्य और स्कूल स्टाफ द्वारा स्काउट गाइड को प्रवेश बैज लगाकर स्काउट और गाइड दल में छात्र-छात्राओं को प्रवेश किया गया, स्काउट प्रभारी द्वारा सभी बच्चों को मिठाई देकर मीठा मुंह कराया गया, और प्राचार्य श्री सिंह द्वारा सभी बच्चों को आशीर्वचन के साथ शुभकामनाएं देते हुए उत्साहित किया गया , श्री अतिबल सिंह जिला संगठन आयुक्त स्काउट जिला दतिया दीक्षा संस्कार कार्यक्रम में मार्गदर्शन भी किया और सभी को स्काउटिंग के फायदे के बारे में बताया, कार्यक्रम दीक्षा संस्कार कार्यक्रम का संचालन श्री हरनारायण झा और श्रीमती रंजना रावत द्वारा किया गया, कार्यक्रम की व्यवस्था की जिम्मेदारी श्री ठाकुर दास साहू द्वारा निभाई गई, इस अवसर पर अभिराम सिंह यादव, जयप्रकाश शर्मा, सुधीर चतुर्वेदी, महेंद्र पटवा, श्रीमती साधना शर्मा, श्रीमती प्रियंका सेन, श्रीमती रंजना रावत, श्री हरनारायण झा, श्रीमती नीलम शर्मा, आदि स्काउट एवं गाइड और स्कूल छात्राओं पर स्थित रहे, विद्यालय की दीक्षा संस्कार कार्यक्रम की सफलता पर जिला शिक्षा अधिकारी स्कूल कमिश्नर श्री यू. एन. मिश्रा, एवं जिले के पदाधिकारी जिला अध्यक्ष भारत स्काउट एवं गाइड जिला दतिया, माधवेंद्र सिंह परिहार, जिला मुख्य आयुक्त श्री विक्रम सिंह बुंदेला, जिला सचिव श्री राजेश कतरौलिया, जिला कोषाध्यक्ष श्री महेंद्र कुमार शर्मा जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट श्री अभिराम शर्मा, जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड श्रीमती लक्ष्मी राय आदि पदाधिकारी द्वारा दल में सम्मिलित स्काउट गाइड को शुभकामनाएं और बधाइयां दी।

लहार पुलिस द्वारा लूट के आरोपी को किया गिरफ्तार,लूटे गए सोने चांदी के जेवरात किए बरामद

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

लहार। लहार थाना पुलिस को लूट के एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। जानकारी के अनुसार दिनाँक 23.06.2024 को फरियादी बाबू राम दोहरे पुत्र अमर सिंह दोहरे उम्र 35 साल निवासी वार्ड नं. 14 जनकपुरा कस्बा लहार की रिपोर्ट पर से अपराध क्रमांक 180/2024 धारा 394,34 भादवि, 11,13 एमपीडीपीके एक्ट का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया था।विवेचना के दौरान प्रकरण में धारा 120 बी भादवि इजाफा की गई बाद प्रकरण में आरोपीगणों को नामजद कर दिनाँक 04.09.2024 को आरोपी पंकज राजावत पुत्र चन्द्र भान सिंह राजावत को गिरफ्तार कर आरोपी पंकज का दिनाँक 06.09.2024 तक का माननीय न्यायालय से पीआर लिया गया बाद में आरोपी पंकज की निंशानदेही पर उसके कब्जे से लूटा गया मशरूका सोने चाँदी के जेबरात घटना के दिन आरोपी द्वारा पहनी हुई टी शर्ट को जप्त किया गया बाद में आरोपी पंकज राजावत को शुक्रवार दिनाँक 06.09.2024 को माननीय न्यायालय भिण्ड पेश किया जा रहा है।उक्त कार्यवाही में लहार थाना प्रभारी रविन्द्र शर्मा,उनि.आशीष यादव,आरक्षक अजय यादव,अक्षय दीक्षित,धर्मेन्द्र तोमर,श्याम गुर्जर की सराहनीय भूमिका रही।

नमस्ते योजना अंतर्गत सफाई मित्र कार्यशाला का आयोजन

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

नगर पालिका परिषद खरगोन द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री एमआर निंगवाल के निर्देशानुसार एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री अमित डामोर के मार्गदर्शन में नमस्ते योजना अंतर्गत सफाई मित्र कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें नेशनल सफाई कर्मचारी फाइनेंस एंड डिप्लैपमेंट कॉरप्रेशन के अधिकारी श्री उमेश सिंह द्वारा सफाई मित्रों को स्वच्छता के बारे में जानकारी दी गई। सफाई कार्य किस प्रकार करना चाहिए एवं खतरनाक सफाई क्या होती है और उससे बचाओ के उपाय बताए गए। उन्होंने बताया कि सफाई के लिए किस किस मशीन का उपयोग किया जा सकता है। नपा सफाई कर्मियों को बताया किया कि नगर पालिका में कौन कौन सी मशीन होनी चाहिए और सफाई के तरीके करें इसकी विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि सफाई मित्रों को भारत सरकार के द्वारा किन-किन योजनाओ का लाभ दिया जाता है जिससे वो अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार कर सके और स्वरोजगार चालू करने की विस्तृत जानकारी दी गई।

संपादक की कलम से

विघ्नहर्ता, शुभकर्ता गणेशजी बहुआयामी देवता हैं

मोदी सरकार के खिलाफ फर्जी आर्थिक आख्यानों का जवाब

आम लोगों में डर पैदा करने के लिए विपक्षी दल, कुछ एनजीओ और वैश्विक बाजार की ताकतें प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था के बारे में सनसनीखेज और झूठे आख्यान फैला रही हैं, जिससे वे सरकार के खिलाफ विद्रोह कर सकें और विभिन्न चुनावों के दौरान सबक सिखा सकें। फर्जी आर्थिक आख्यानों में शामिल हैं- मोदी सरकार के भारी-भरकम ऋण भविष्य में अर्थव्यवस्था की गिरावट के लिए जिम्मेदार होंगे और भारत जल्द ही आर्थिक रूप से विफल राष्ट्र बन जाएगा।

जब नरेन्द्र मोदी ने 2014 में प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला था, तब भारत की जीडीपी पहले 64 वर्षों के दौरान 1.7 ट्रिलियन डॉलर थी और यह मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक में 4 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ गई है। यह विपक्षी दलों और सरकारों को अस्थिर करने के अन्य लोगों द्वारा झूठे आख्यानों के व्यापक प्रचार को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 से बागडोर संभालने के बाद से, भारत ने परिकलित अवधि ऋण को चुकाने के लिए मिलान करने वाली व्यवहार्यता के बिना एक भी ऋण बिना अध्ययन किये नहीं लिया है और इसके विपरीत अपने शासन के पिछले 10 वर्षों में विश्व बैंक, एशियाई बैंक, आदि को पिछले सरकारों के लगभग 35% ऋण चुकाए हैं और अब अन्य देशों को ऋण और वित्त देने की स्थिति में हैं। भारत की अर्थव्यवस्था विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण है। इसमें एक विशाल, युवा आबादी के साथ-साथ खुली, लोकतांत्रिक राजनीतिक प्रणाली है। यह वर्तमान में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (पीपीपी) है

विकास का सिर्फ एक उदाहरण, भारत में 111 यूनिकॉर्न हैं, जिनका संयुक्त मूल्यांकन 349.67 बिलियन डॉलर है। 2021 में, 45 यूनिकॉर्न शुरू हुए, जिनका कुल मूल्य 102.30 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जबकि 2022 में 22 यूनिकॉर्न पैदा हुए, जिनका कुल मूल्यांकन 29.20 बिलियन डॉलर था। भारत में वर्तमान में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा यूनिकॉर्न बेस है। आने वाले वर्षों में कांग्रेस सरकार द्वारा की गई गलतियों और विसंगतियों के लिए बड़े कर्ज का निपटान किया जाएगा।

ऋण की अवधारणा को समझना

सभी ऋण बुरे नहीं होते, जिसमें व्यक्तिगत ऋण भी शामिल है। उदाहरण के लिए, किसी व्यक्ति पर 50 लाख रुपये का गृह ऋण हो सकता है लेकिन बदले में उसके पास अपना घर जैसी संपत्ति होती है और वह शांति से रह सकता है। जबकि व्यक्तिगत ऋण आमतौर पर नकारात्मक होता है, संगठन और राष्ट्र अपने विकास को बढ़ावा देने के लिए ऋण लेते हैं।

एक युवा सेब का पेड़ और एक बड़ा कर्ज होना अच्छा है क्योंकि इससे आपकी सेब की आपूर्ति बढ़ेगी। एक परिपक्व पेड़ के साथ एक बड़ा कर्ज होना भयानक है क्योंकि इससे आपकी आय में कोई खास सुधार नहीं होगा (उदाहरणः इटली)। जब आपके पास एक बड़ा कर्ज है (उदाहरण के लिए, जापान) तो एक मरते हुए पेड़ के साथ एक नया पेड़ न लगाना बेहद अवांछनीय है। सिंगापुर की रेटिंग दुनिया में सबसे ज्यादा है, बावजूद इसके कि उसका जीडीपी ऋण अनुपात (100% से ज्यादा) ज्यादा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जो मायने रखता है वह यह है कि आप उधार लिए गए पैसे का क्या करते हैं। सिंगापुर पैसे उधार लेता है और उसे संपत्ति बनाने में निवेश करता है, जिससे कर्ज का मूल्य बढ़ता है। यह सरल अर्थशास्त्र है। नतीजतन, वे कर्ज और ब्याज चुकाने में सक्षम हैं और साथ ही इससे लाभ भी कमा रहे हैं। भारत यही कर रहा हैः यह बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए कर्ज का उपयोग कर रहा है, जिससे कर्ज का मूल्य बढ़ रहा है। भारत के पास अतिरिक्त कर्ज लेने की गुंजाइश है, जो एक सकारात्मक बात है। एक बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था को बड़े पैमाने पर निवेश को निधि देने के लिए अधिक मात्रा में कर्ज की आवश्यकता होती है। भारत की अपने ऋण को चुकाने की क्षमता को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिसे अक्सर "ऋण चुकाने की क्षमता" के रूप में जाना जाता है। यह आंशिक रूप से भारतीय सरकार की डॉलर के बजाय रुपये में सौदे करने की क्षमता के कारण हो सकता है, जिससे बाद के मूल्यवृद्धि से बचाव होता है। साथ ही बेहतर ऋण शर्तें सुनिश्चित होती हैं और कुल ऋण के अनुपात के रूप में भारत के विदेशी भंडार में सुधार होता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत का विदेशी ऋण काफी बढ़ गया है। हालांकि, जीडीपी के प्रतिशत के रूप में भारत का विदेशी ऋण कम हुआ है। यूपीए के वर्षों के दौरान विदेशी ऋण-जीडीपी अनुपात लगभग 24% था लेकिन तब से यह घटकर 18% से थोड़ा अधिक रह गया है। अगर आप भारतीय केंद्र सरकार के कुल ऋण पर विचार करें, तो भारत बड़े पश्चिमी देशों की तुलना में कहीं बेहतर स्थिति में है। भारत का ऋण जीडीपी का लगभग 83% है, जबकि जापान का 261% और संयुक्त राज्य अमेरिका का लगभग 121% है। अमेरिकी संघीय सरकार का पूरा ऋण 34 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है, जबकि भारतीय केंद्र सरकार का लगभग 2.06 ट्रिलियन डॉलर है।

हमें स्पष्ट होना चाहिएः ऋण दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को ईंधन देता है। लेकिन इन ऋणों का उपयोग उत्पादक उद्देश्यों, जैसे पूंजीगत व्यय के लिए किया जाना चाहिए। भारत को सालाना अरबों डॉलर के निवेश की आवश्यकता है और हमारे पास स्पष्ट रूप से इतना पैसा नहीं है, इसलिए हम इन परियोजनाओं को वित्तपोषित करने के लिए ऋण लेंगे।

गणेश चतुर्थी - 7 सितम्बर, 2024 पर विशेष

गणेश भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग हैं। प्राचीन काल से हिन्दू समाज कोई भी कार्य निर्विघ्न सम्पन्न करने के लिए उसका प्रारम्भ गणपति की पूजा से ही करता आ रहा है। प्रतिकूल, अशुभ, अज्ञान एवं दुःख से परेशान मनुष्य के लिये गणेश ही तारणहार है। वे सात्विक देवता हैं और विघ्नहर्ता हैं। वे न केवल भारतीय संस्कृति एवं जीवनशैली के कण-कण में व्याप्त है बल्कि विदेशों में भी घर-कारों-कार्यालयों एवं उत्पाद केन्द्रों में विद्यमान हैं। हर तरफ गणेश ही गणेश छाए हुए है। भाद्रपद शुक्ल की चतुर्थी को सिद्धि विनायक भगवान गणेश का जन्म हुआ। गणेशोत्सव हिन्दुओं का एक उत्सव है। दरअसल गणेश सुख-समृद्धि, रिद्धि-सिद्धि, वैभव, आनन्द, ज्ञान एवं शुभता के अधिष्ठाता देव हैं। प्रथम देव होने के साथ-साथ उनका व्यक्तित्व बहुआयामी है, लोकनायक का चरित्र हैं। इसलिये वे सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक लोकप्रियता वाले देव है।

गणेश के रूप में विष्णु शिव-पार्वती के पुत्र के रूप में जन्म थे। उनके जन्म पर सभी देव उन्हें आशीर्वाद देने आए थे। विष्णु ने उन्हें ज्ञान का, ब्रह्मा ने यश और पूजन का, धर्मदेव पे धर्म तथा दया का आशीर्वाद दिया। शिव ने उदारता, बुद्धि, शक्ति एवं आत्म संयम का आशीर्वाद दिया। लक्ष्मी ने कहा कि जहां गणेश रहेंगे, वहां मैं रहूंगी ह्न सरस्वती ने वाणी, स्मृति एवं वक्तृत्व-शक्ति प्रदान की। सावित्री ने बुद्धि दी। त्रिदेवों ने गणेश को अग्रपूज्य, प्रथम देव एवं रिद्धि-सिद्धि प्रदाता का वर प्रदान किया। गणेशजी की आकृति विचित्र है, किन्तु इस आकृति के आध्यात्मिक संकेतों के रहस्य को यदि समझने का प्रयास किया जाये तो सनातन लाभ प्राप्त हो सकता है। क्योंकि गणेश अर्थात् शिव पुत्र अर्थात शिवत्व प्राप्त करना होगा अन्यथा क्षेम एवं लाभ की कामना सफल नहीं होगी। गजानन गणेश की व्याख्या करें तो ज्ञात होगा कि ह्यगजह्न दो व्यंजनों से बना है। ह्यगह्न प्रतीक है गति और गंतव्य का तो ह्यजह्न जन्म अथवा उद्गम का प्रतीक है। अर्थात् गज शब्द उत्पत्ति और अंत का संकेत देता है-जहाँ से आये हो वहीं जाओगे। जो जन्म है वही मृत्यु भी है। ब्रह्म और जगत के यथार्थ को बनाने वाला ही गजानन गणेश है। गणेश भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग हैं, वे सात्विक देवता हैं। वे न केवल भारतीय संस्कृति एवं जीवनशैली के कण-कण में व्याप्त है बल्कि विदेशों में भी घर-कारों-कार्यालयों एवं उत्पाद केन्द्रों में विद्यमान हैं। हर तरफ गणेश ही गणेश छाए हुए है। मनुष्य के दैनिक कार्यों में सफलता, सुख-समृद्धि की कामना, बुद्धि एवं ज्ञान के विकास एवं किसी भी मंगल कार्य को निर्विघ्न सम्पन्न करने हेतु गणेशजी को ही सर्वप्रथम पूजा जाता है, याद किया जाता है। महाराष्ट्र का गणेशोत्सव विशेष रूप से प्रसिद्ध है। हजारों स्थानों पर भारतीय कला और संस्कृति की भिन्न-भिन्न गणेश-छवियों के दर्शन होते हैं। रात्रि में सर्वत्र रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं। अंतिम दिन बड़ी धूमधाम से गणेश-प्रतिमाओं का विसर्जन नदी तटों, सरोवरों अथवा समुद्र में किया जाता है। दिन-प्रतिदिन गणेश चतुर्थी को अधिक से अधिक भव्यता से मनाने का प्रचलन बढ़ता ही जा रहा है।

भारतीय संस्कृति एक ईश्वर की विशाल कल्पना के साथ अनेकानेक देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना से फलती-फूलती रही है। सब देवताओं की पूजा से प्रथम गणपति की पूजा का विधान है। दरअसल गणेश सुख-समृद्धि, वैभव एवं आनंद के अधिष्ठाता हैं। बड़े एवं साधारण सभी प्रकार के लौकिक कार्यों का आरंभ उनके दिव्य स्वरूप का स्मरण करके किया जाता है। व्यापारी अपने बही-खातों पर ह्यश्री गणेशाय नमःह्न लिख कर नये वर्ष का आरंभ करते हैं। प्रत्येक कार्य का शुभारंभ गणपति पूजन एवं गणेश वंदना से किया जाता है। विवाह का मांगलिक अवसर हो या नए घर का शिलान्यास, मॉदिर में मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा का उत्सव हो या जीवन में षोड्स संस्कार का प्रसंग, गणपति का स्मरण सर्वप्रथम किया जाता है। स्कंद पुराण के अनुसार जो भक्ति-पूर्वक गणेश की पूजा-अर्चना करता है, उसके सम्मुख विघ्न कभी नहीं आते। गणपति गणेश अथवा विनायक सभी शब्दों का अर्थ है देवताओं का स्वामी अथवा अग्रणी। गणेशजी की सम्पूर्ण शारीरिक रचना के पीछे भगवान शिव की व्यापक सोच रही है। एक कुशल, न्यायप्रिय एवं सशक्त शासक एवं देव के समस्त गुण उनमें समाहित किये गये हैं। गणेशजी का गज मस्तक हैं अर्थात वह बुद्धि के देवता हैं। वे विवेकशील हैं। उनकी स्मरण शक्ति अत्यन्त कुशाग्र हैं। हाथी की भ्रांति उनकी प्रवृत्ति प्रेरणा का उद्गम स्थान धीर, गंभीर, शांत और स्थिर चेतना में है। हाथी की आंखें अपेक्षाकृत बहुत छोटी होती हैं और उन आँखों के भावों को समझ पाना बहुत कठिन होता है। दरअसल गणेश तत्ववेत्ता के आदर्श रूप हैं। गण के नेता में गुरुता और गंभीरता होनी चाहिए। उनके स्थूल शरीर में वह गुरुता निहित है। उनका विशाल शरीर सदैव सतर्क रहने तथा सभी परिस्थितियों एवं कठिनाइयों का साम करने के लिए तत्पर रहने की भी प्रेरणा दे है। उनका लंबोदर दूसरों की बातों गोपनीयता, बुराइयों, कमजोरियों को स्व में समाविष्ट कर लेने की शिक्षा देता है त सभी प्रकार की निंदा, आलोचना को अप उदर में रख कर अपने कर्तव्य पथ अडिग रहने की प्रेरणा देता है। छोटा मु कम, तर्कपूर्ण तथा मृदुभाषी होने का द्योत है।

गणेश का व्यक्तित्व रहस्यमय हैं, जिसे प पाना एवं समझ पाना हर किसी के लि संभव नहीं है। शासक भी वही सफल हो है जिसके मनोभावों को पढ़ा और समझा जा सके। इस प्रकार अच्छा शासक व होता है जो दूसरों के मन को तो अच्छ तरह से पढ़ ले परन्तु उसके मन को क न समझ सके। दरअसल वे शौर्य, साह तथा नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। उनके हेर रूप में युद्धप्रियता का, विनायक रूप यक्षों जैसी विकरालता का और विघ्नेश रूप में लोकरंजक एवं परोपकारी स्वरू का दर्शन होता है। गण का अर्थ है समू गणेश समूह के स्वामी हैं इसीलिए उ गणाध्यक्ष, लोकनायक, गणपति आदि ना से पुकारा जाता है।

गज मुख पर कान भी इस बात के प्रती हैं कि शासक जनता की बात को सुनने लिए कान सदैव खुले रखें। यदि शास जनता की ओर से अपने कान बंद कर ले तो वह कभी सफल नहीं हो सकेग शासक को हाथी की ही भांति शक्तिशा एवं स्वाभिमानी होना चाहिए। अपने प परिवार के पोषण के लिए शासक को न किसी पर निर्भर रहना चाहिए और न उसकी आय के स्रोत ज्ञात होने चाहि

भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित शिक्षा की जरूरत

शिक्षा को लेकर समय-समय पर अनेक प्रश्न उठते रहते हैं, जैसे कि शिक्षा पद्धति कैसी होनी चाहिए? पाठ्यक्रम कैसा होना चाहिए? विद्यार्थियों को पढ़ाने का तरीका कैसा होना चाहिए? वास्तव में स्वतंत्रता से पूर्व देश में अंग्रेजी शासन था। अंग्रेजों ने अपनी सुविधा एवं आवश्यकता के अनुसार शिक्षा पद्धति लागू की। उनका उद्देश्य भारतीयों को शिक्षित करना नहीं था, अपितु उनका उद्देश्य केवल अपने लिए क्लर्क तैयार करना था। देश की स्वतंत्रता के पश्चात स्वदेशी सरकार ने इस ओर विशेष ध्यान नहीं दिया। स्वतंत्रता के पश्चात देश में बहुत से कार्य करने थे। संभव है कि इस कारण इस ओर ध्यान नहीं गया हो अथवा उस समय के लोगों को अंग्रेजी शिक्षा पद्धति उचित लगी हो। कारण जो भी रहा हो, देश में अंग्रेजी शिक्षा पद्धति से ही पढ़ाई होती रही। कुछ दशकों पूर्व देश में नई शिक्षा पद्धति की आवश्यकता अनुभव की जाने लगी तथा इस पर विचार-विमर्श प्रारंभ हुआ।

वर्तमान शिक्षा पद्धति

वर्तमान शिक्षा पद्धति का अपना महत्व है। आज प्राथमिक विद्यालयों के बच्चे भी विभिन्न विषयों पर बात कर लेते हैं, क्योंकि उन्हें आरंभ से ही विभिन्न विषय पढ़ाए जाते हैं। कुछ दशक पूर्व तक ऐसा नहीं था। किंतु आज की शिक्षा पद्धति में कुछ कमियां भी हैं, जैसे आज परीक्षा में सर्वाधिक अंक लाने पर बल दिया जाता है। अभिभावक भी यही चाहते हैं। उनके लिए इस बात का कोई अर्थ नहीं है कि उनके बच्चे विषय को समझ कर ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं अथवा केवल रट्टे लगाकर परीक्षा में उत्तर लिख रहे हैं। उन्हें तो केवल अधिक से अधिक अंक चाहिए। परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही योग्य माने जाने लगे हैं। कम या औसत अंक पाने वाले विद्यार्थी कमजोर माने जाते हैं। इसलिए विद्यार्थियों पर परीक्षा का दबाव बना रहता है। अक्सर वे मानसिक तनाव की चपेट में भी आ जाते हैं। दबाव के कारण भी उन्हें अधिक अंक पाने की लालसा रहती है। इसलिए आज शिक्षा व्यवसायिक होती जा रही है। किंतु सुखद बात यह है कि शिक्षाविदों और सरकारों का ध्यान इस ओर गया है तथा इसमें अब परिवर्तन आने लगा है। अपनी मातृभाषा में शिक्षा दिलाना, इसका एक बड़ा उदाहरण है। अब प्राथमिक विद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालयों तक में मातृभाषा में शिक्षा दिलाई जाने लगी है। आज के समय में हिंदी में चिकित्सीय एवं तकनीकी शिक्षा उपलब्ध करवाना किसी स्वप्न से कम नहीं है। कुछ वर्ष पूर्व तक इस बारे में सोचना भी सरल नहीं था। यह एक सार्थक पहल है। भविष्य में इसके अच्छे परिणाम सामने आएंगे।

भारतीय ज्ञान परम्परा

शिक्षा भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित होनी चाहिए। सदैव से हमारी प्राचीन भारतीय सभ्यता विश्व की सर्वाधिक गौरवशाली एवं समृद्ध सभ्यताओं में एक रही है। विश्व के अधिकतर देशों में जब बर्बरता का युग था, उस समय भी हमारी भारतीय सभ्यता अपने शीर्ष पर थी। इसका सबसे बड़ा कारण शिक्षा ही है। हमारे पूर्वजों ने शिक्षा के क्षेत्र में अत्यंत उन्नति की। शिक्षा के कारण ही जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विकास हुआ। इस पवित्र भारत भूमि पर वेद, पुराणों एवं उपनिषदों की रचना हुई। रामायण की रचना हुई, जिसमें जीवन का सार है। महाभारत की रचना हुई, जो हमें अन्याय के विरुद्ध खड़ा होने की प्रेरणा देती है। यह सब शिक्षा के कारण ही संभव हो सका। मानव के लिए वायु, जल एवं भोजन जितना आवश्यक है, शिक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। इसलिए शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो विद्यार्थियों को अक्षर ज्ञान देने के साथ उनके व्यक्तित्व का भी विकास करे। हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली ऐसी ही थी।

शिक्षा का प्रथम उद्देश्य ही विद्यार्थी के चरित्र का निर्माण करना है। हमारी भारतीय संस्कृति में चरित्र निर्माण पर सर्वाधिक बल दिया गया है, क्योंकि चरित्र के बिना किसी भी गुण का कोई महत्व नहीं है। मनुस्मृति में कहा गया है कि सभी वेदों का ज्ञाता विद्वान भी सच्चरित्रता के अभाव में श्रेष्ठ नहीं है, किंतु केवल गायित्री मंत्र का ज्ञाता पंडित यदि चरित्रवान है, तो वह श्रेष्ठ है। इससे चरित्र की महत्ता का पता चल जाता है। वास्तव में शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं होना चाहिए, अपितु शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास होना चाहिए, ताकि वह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विकास कर सके।

शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी को उसके अधिकारों के साथ-साथ उसके कर्त्तव्यों के बारे में जानकारी देना भी होना चाहिए, ताकि वह अपने अधिकारों को प्राप्त कर सके तथा परिवार एवं समाज के प्रति अपने कर्त्तव्यों का भी निर्वहन कर सके। शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी के जीवन स्तर को उन्नत एवं समृद्ध बनाना भी है। शिक्षा के माध्यम से वह अपने जीवन को सुगम, उन्नत एवं समृद्ध बना सके। प्राचीन काल में विद्यार्थियों को अक्षर ज्ञान के साथ-साथ व्यवसायिक कार्यों का भी प्रशिक्षण दिया जाता था, ताकि वे अपने-अपने कार्यों में भी निपुणता प्राप्त कर सकें। एक नैतिकता से परिपूर्ण चरित्रवान व्यक्ति ही अपने कुल, समाज एवं राष्ट्र का नाम ऊंचा कर सकता है। इसके अतिरिक्त शिक्षा विज्ञान पद्धति पर भी आधारित होनी चाहिए तथा इसमें नवाचार भी होना चाहिए।

नैतिक शिक्षा की आवश्यकता

आज के समय में जिस प्रकार समाज में वैमनस्यता तीव्र गति से बढ़ रही है, वह दुख एवं चिंता का विषय है। वर्तमान समय में मनुष्य का जीवन-मूल्यों से विश्वास उठता जा रहा है। वह चरित्र की अपेक्षा धन-संपत्ति को महत्व दे रहा है। इससे उसका नैतिक पतन हो रहा है तथा समाज में अपराध दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं।

यौन शोषण और अपराध की गिरफ्त में मौलिवुड

डॉ. अंजनी कुमार झा

मलयालम फिल्म उद्योग में यौन उत्पीड़न के मामले अबतक थम नहीं रहे। शोषण, अत्याचार के अनेक सनसनीखेज मामलों के सार्वजनिक होने से केरल की फिल्म इंडस्ट्री में भूचाल-सा आ गया है। मौलिवुड में मलयाली के एक और अभिनेता जयसूर्या के विरुद्ध एक अभिनेत्री ने थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी। इससे पूर्व मशहूर एक्टर सिद्दिकी को हाल ही में एक हीरोइन के साथ दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पहला मामला फिल्म निर्देशक रंजीत का आया, जिसमें बंगाल की एक्ट्रेस ने उन पर दुष्कर्म का आरोप लगाया।

उपरोक्त सभी मामलों में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला इतना गंभीर है कि सिद्दिकी को एसोसिएसन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स के महासचिव के पद से हाथ धोना पड़ गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए ऐसे सभी मामलों की जाँच एसआईटी को सौंप दी गई है। जस्टिस के. हेमा कमिटी की रिपोर्ट को केरल की एलडीएफ सरकार ने जारी किया, जिसमें महिला अभिनेत्रियों के साथ हो रहे अत्याचार का ब्योरेवार वर्णन है। रिपोर्ट में साफ शब्दों में जिक्र है कि केरल फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के काम करने का उचित माहौल नहीं है। वर्ष 2017 में गठित कमिटी ने 2019 को राज्य सरकार को रिपोर्ट सौंपी किन्तु अगस्त, 2024 में राज्य सरकार ने इसे सार्वजनिक किया। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि विजयन सरकार फिल्म इंडस्ट्री और सेक्स रैकेट माफिया के चंगुल में है। एफआईआर तो शोर को कम करने के लिए है।

दागियों को जिस तरह सरकार बचा रही है, यह शर्मनाक है। रिपोर्ट में साफ-साफ उल्लेख है कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ यौन शोषण के अतिरिक्त शारीरिक उत्पीड़न भी किया जाता है। उसी को एक्ट्रेस के रूप में मौका दिया जाता है जो शारीरिक सम्बन्ध बनाने को तैयार हो। ऐसी लड़कियों को अभिनेत्री बनाया जाता है। उसे बहुत कम धनराशि दी जाती है। इनकार करने पर स्थापित एक्ट्रेस को जान से मारने की धमकी के साथ ब्लैकमेलिंग भी की जाती है। इसके उलट जो ह्लसहयोगह्व करने से इनकार करती है, उसे कभी अवसर नहीं दिया जाता। अश्लीलता को फिल्मों में खूब परोसा जा रहा है और उस आड़ में सेक्स रैकेट के साथ ड्रग्स का हजारों करोड़ का धंधा फल-फूल रहा है। अभिनेत्रियों से कम कपड़े और अश्लील हरकतों को शूटिंग में करने को कहा जाता है। सफल तारिका की अब यही पहचान बन गई है।

आयोग की आंतरिक शिकायत समिति ने साफ शब्दों में कहा है कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं को कार्य नहीं करना चाहिए। आयोग ने चिंता जाहिर की है कि ऐसे अपराधों की थानों में प्राथमिकी दर्ज नहीं की जा रही है और बहुत दबाव में शिकायत दर्ज कर ली गई तो गिरफ्तारी कभी होती नहीं है। फिल्म इंडस्ट्री की आड़ में सरकार की शह पर घिनौने धंधे चल रहे हैं। बढ़ती किरकिरी के कारण एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट के अध्यक्ष और मशहूर अभिनेता मोहनलाल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। हालाँकि, उनका कार्यकाल 2027 तक था। जगदीश और आर. जयन सहित कई पदाधिकारियों को लोकलाज के कारण इस्तीफा देना पड़ा। विशेष जाँच टीम के राडार पर कई नामचीन फिल्मी हस्तियों के अतिरिक्त सत्तारूढ़ दल के पदाधिकारी भी शामिल हैं। ऐसे में ह्लमैनेजह्व के चक्कर में गिरफ्तारी की हरी झंडी न मिलना लोकतंत्र को शर्मसार कर रहा है। एक वरिष्ठ पुलिस अफसर ने कहा कि किसी का कुछ नहीं बिगड़ेगा। यह जाँच दल, रिपोर्ट केवल भरमाने का तरीका है। जनरोष को मद्देनजर रखते हुए भाजपा और काग्रेस ने माकपा विधायक सह अभिनेता एम. मुकेश के इस्तीफे की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि 17 फरवरी 2017 को कोच्चि में एक सुप्रसिद्ध नायिका का पहले अपहरण हुआ, फिर चलती कार में सामूहिक दुष्कर्म हुआ। पीड़िता की रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद मुख्यमंत्री पिनार्यांई विजयन ने केरल हाई कोर्ट की सेवानिवृत जज के. हेमा की अध्यक्षता में कमिटी का गठन कर दिया। रिपोर्ट तो आ गई, किन्तु दोषी कौन? सजा किस-किस को मिलेगी? इत्यादि प्रश्न तो अनुत्तरित हैं। सात वर्षों बाद आई रिपोर्ट भी लगता है मामले को शांत करने और लीपापोती के लिये है। तभी तो फिल्म इंडस्ट्री पोर्न इंडस्ट्री के रूप में तब्दील हो गया। सरकार के कई मंत्री-विधायक इस काले धंधे में संलिप्त हैं, इसलिये यह रिपोर्ट शो-पीस बन कर रह गया। आश्चर्यजनक तथ्य है कि 31 दिसंबर,2019 को कमिटी ने सरकार को रिपोर्ट सौंपी, किन्तु इसे लगभग पांच वर्षों तक जानबूझ कर रोके रखा।

इसे जारी कराने के लिये जब सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगी गई तो संस्कृति विभाग ने गोपनीयता का हनन होना बता कर इसे देने से इनकार कर दिया। हाई कोर्ट में भी याचिकाओं के जरिये रोकने का प्रयास किया गया। अंततः राज्य सूचना आयोग के हस्तक्षेप और कोर्ट के आदेश के बाद रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जा सका।

कास्टिंग काउच साफ-साफ दिखता है। अनेक गवाहों के कैमरे पर आने, ऑडियो क्लिप्स, वीडियो क्लिप्स, स्क्रिन शॉट्स, इंटरव्यू, गवाहों के बयान आदि से इसकी साफ-साफ पुष्टि होती है। समिति के समक्ष कुछ महिलाओं ने यहाँ तक कहा कि रात में पुरुष उनके दरवाजे को जोर-जोर से पीटते हैं. कई महिलाओं ने यह भी बयान में कहा कि सच बोलने से उन्हें पुलिस का भय है कि कहीं उनके रिश्तेदारों पर झूठे मुकदमे न लाद दिये जायें। एक सुप्रसिद्ध अभिनेता ने बयान में कहा कि पूरी फिल्म इंडस्ट्री को माफिया चला रहा है, जिसमें पुरुष प्रोड्यूसर, निर्देशक, अभिनेता शामिल हैं। सिनेमा के तकनीकी सेक्शन में महिला कर्मी नाममात्र की है। फिल्म इंस्टीट्यूट के. आर. नारायणन नेशनल इंस्टीटूट ऑफ विजुअल साइंस एंड आर्ट्स में 44 में केवल दो छात्राएं हैं।

विपक्ष की मांग है कि पूरे मामले की जाँच वरिष्ठ पुलिस महिला अधिकारियों के द्वारा कराई जाये। मौलिवुड में महिलाओं को दो शब्द समझौते और समायोजन के इर्द-गिर्द घूमना होता है। केवल एक ही सन्देश दिया जाता है- अपने को मांग के अनुसार सेक्स के लिये तैयार रहना है। न बोलने पर काम से बाहर का रास्ता दिखाया जाता है। दिलचस्प तथ्य है कि हश्य में महिला-पुरुष या पति-पत्नी के एक शॉट के 17 री-टेक होते थे। यह पहले से मान लि जाता था कि अभिनेता तो अभिने से दुर्व्यवहार करेंगे। इच्छा के विप महिलाकर्मियों को काम करना पड़ था। 10 से 15 केवल पुरुष मोलिवुड में हैं जो अत्यंत धनी और फिल्म इंडस्ट्री में इन्हीं आधिपत्य है। जूनियर कलाकारों कलाकार के रूप में स्वीकार न किया जाता है। साहस कर बयान चुके कुछ कलाकारों के अनुभ उन्हें शारीरिक यातनाएं दी जाती काम करने के बाद रुपये नहीं मि जाते हैं। हालाँकि, जब इसकी भन माफिया को लगी तो परिवारवालों धमकियां दी जाने लगी। इस शिकायतें भी थाने में की गईं, वि कार्रवाई तो दूर पुलिस उलटे जूनि कलाकारों को ही केस वापस क को कह रही है। भोजन और पानी नहीं उपलब्ध कराना बड़ी शिका है।

जूनियर कलाकार गवाहों ने बत कि सबसे ज्यादा अत्याचार जूनि महिला कलाकारों पर होता है। उ साथ यौन शोषण के साथ कार्या ज्यादा किन्तु पारिश्रमिक काफी क मिलता है। केरल में जन्मी अ पली-बढ़ी गीथा जे. जो अब कैस्टल यूनिवर्सिटी, ग्रेट ब्रिटेन फिल्म प्रैक्टिस पढ़ाती हैं, उसने स शब्दों में कहा कि केरल का फिल्म उद्योग सड़ चुका है। अप्रै 2010 में ख्याति को चूम थिलाकन को ह्लसचह्व बोलने सजा मिल गई थी। फिल्में मिल बंद हो गई थी। 2022 में एक प्रोड्यूसर विजय बाबू पर महि अभिनेत्री से दुष्कर्म का आरोप ल के बाद आंतरिक शिकायत कमि का गठन भी दिखावा साबित हुआ निराश होकर तीन महिला सदस्यों इस्तीफा दे दिया। विरोध प्रदर्शन ह किन्तु परिणाम शून्य। वाम सरकार समर्थन से यह माफिया उद्योग तब्दील हो गया। हेमा कमिटी रिपोर्ट बहुत देर से ही स सार्वजनिक होने के बाद भी दोषि को बचाने की जी-तोड़ कोशिश कारण केरल की फिल्म इंड ध्वस्त हो गई।

माटी के गणेश

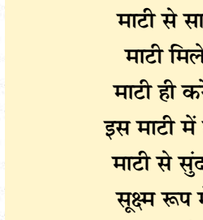

मत फैलाना प्रदूषण तुम
पी ओ पी के विचारों का
लेकर आना अपने घर पर
सिर्फ माटी के ही गणेश ।।
माटी ही जग में सुंदर हैं,
माटी की ही जब ये काया
माटी में निर्मित होता अन्न ,
माटी से बना संसार सारा ।।
माटी से साकारत्मक विचार ,
माटी मिले हमें स्त्रोत अपार
माटी ही करे जग का कल्याण
इस माटी में छुपी अपार खान ।।
माटी से सुंदर बनती हैं मूर्तियां,
सूक्ष्म रूप में सुंदर बनाना तुम
प्रदूषण से संसार बचना तुम
घर में ही माटी की मूर्ति बनाना तुम ।।
माटी के गणेश निर्मित करके
गमले में एक पौधा लगाना तुम,
सुंदर चौक पुराना प्रभु जी का
श्री गणेश को भादो झूला झूलना तुम ।।

आशी प्रतिभा (स्वतंत्र लेखिका)
ग्वालियर,मध्यप्रदेश,भारत

रीवा की अस्पतालों में बच्चियां नही सुरक्षित, संजय गांधी अस्पताल में भर्ती 12 साल की बच्ची से दुष्कर्म का प्रयास, सोते वक्त युवक नें की अश्लीलता

रीवा। जिले के संजय गांधी अस्पताल में सुरक्षा की तमाम कोशिशें नाकाम साबित हो रही है। यह सुरक्षा को लेके प्रशासन, पुलिस और प्रबंधन ने जो तैयारिया की थी वह धरी की धरी रह गई, और एक बार फिर नाबालिक बच्ची दुष्कर्म का शिकार होते होते बची है। आपको बता दे की गांधी स्मृति चिकित्सालय के नाम कान गला वॉर्ड में भर्ती 12 साल की बच्ची से सोते समय अश्लीलता की गई। एक अटेंडर द्वारा की गई इस घटना पर अमहिया पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

मैहर जिले से इलाज के लिए आई थी बच्ची-जिस बच्ची के साथ यह घटना हुई, वह मैहर जिले के रहने वाली है। गले में तकलीफ होने पर उपचार के लिए आई बच्ची को भर्ती कर उसका इलाज किया जा रहा है। रात में सोते समय एक अन्य भर्ती मरीज के अटेंडर ने उसके साथ अश्लीलता की।

कौन है आरोपी-अस्पताल में भर्ती बच्ची के साथ अश्लील हरकत करने वाले आरोपी का नाम राजेश साकेत बताया गया है। जो गड़रिया मोहल्ले का रहने वाला है। अमहिया पुलिस ने पास्को एक्ट सहित अन्य धाराओं का अपराध दर्ज कर आरोपी पर कार्यवाही की है।

पिता के विरोध करने पर भागा आरोपी-अस्पताल में मरीजों की भीड़ ज्यादा होने की वजह से बेड फुल है। ऐसे में बच्ची और उसके परिजन जमीन पर ही लेटे थे। बताया जा रहा है, कि बच्ची के साथ रात के समय जब एक अटेंडर ने अश्लीलता की तो पिता ने देख लिया। पिता ने विरोध किया तो वह भागने लगा, शोर मचाए जाने पर उसे सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ लिया।

रीवा में फिर दिनदहाड़े चली गोली : दोस्त के साथ पेट्रोल डलाने आए युवक पर हुई फायरिंग, मौके पर पहुंची पुलिस,ढेकहा की घटना, एक आरोपी की हुई पहचान

रीवा। शहर के भीतर दिनदहाड़े गोली चली है। घटना शुक्रवार की दोपहर लगभग 4:00 बजे सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ढेकहा स्थित पेट्रोल पंप में हुई है। जहां पेट्रोल डालने आए दो युवकों पर फायरिंग की गई है। अचानक हुई इस घटना के दौरान गोली एक युवक के हाथ के बाहरी हिस्से में लगी है। जबकि दूसरा बाल बाल बच गया है। फिलहाल घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है और घटना से जुड़े साक्ष्य सहित जानकारी एकत्रित करने का प्रयास कर रही है। पुलिस को घटनास्थल पर दो खोखे भी मिले हैं, तो वही सीसीटीवी फुटेज भी खगाली जा रही है। इस पूरे मामले में पीड़ित युवक ने एक हमलावर की पहचान भी कर ली है। घटना के संबंध में मैदानी निवासी अंकित पांडे ने बताया है, कि उसका साथी अंकुश दुबे और जतिन शुक्ला उर्फ शानू ढेकहा स्थित पेट्रोल पंप में पेट्रोल भरवाने पहुंचे थे। बताया गया कि अंकित और अंकुश सड़क पर ही खड़े थे। जबकि जतिन पेट्रोल पंप में पेट्रोल भरवाने चला गया। इसी बीच पुरानी रंजिश के चलते नितिन मिश्रा नामक युवक ने उसके ऊपर फायरिंग कर दी पीड़ित अंकित की माने तो हमलावर ने जतिन उर्फ सानू पर गोली चलाई और फायर मिस होने पर उसने दूसरी गोली भी चलाई। जो उसके हाथ को छूते हुई गुजर गई है। पीड़ित अंकित की माने तो उसके दोस्त जतिन शुक्ला उर्फ सानू और नितिन मिश्रा के बीच पुराना विवाद चल रहा था। पूर्व में भी नितिन मिश्रा के द्वारा जतिन के साथ मारपीट की गई है। जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। फिलहाल शहर के भीतर दिनदहाड़े हुई गोली चालन की इस घटना के बाद अब हड़कंप मच गया है। सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची है और घटना से जुड़े प्रत्यक्षदर्शी से पूछताछ कर जानकारी जुटाने सहित आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को भी खागाल रही है।

ब्रेन हैमब्रेज का शिकार नर्स का जीवन हुआ बर्बाद, परिजनों ने विंध्या अस्पताल प्रबंधन को ठहराया जिम्मेदार, पैसों के लिये नहीं किया उपचार

1 लाख के लिये 5 घंटे तक रुका रहा इलाज, अब अस्पताल के खिलाफ परिजनों नें की कार्यवाही की मांग

रीवा। जिले में संचालित निजी अस्पताल प्रबंधन पैसों के लिए किस हद तक गुजर जाए, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है। निजी अस्पताल प्रबंधन जब अपने ही स्टाफ के इलाज में सौदेबाजी कर सकते हैं। तो फिर दूसरे मरीजों की बात तो अलग ही है। दरासल यह पूरा मामला रीवा जिले के विंध्या अस्पताल का है, जहां तकरीबन एक माह पूर्व अस्पताल में काम करने वाली एक नर्स को ब्रेन हेमरेज हो जाने के बाद अस्पताल प्रबंधन अपने ही स्टाफ के इलाज में सौदेबाजी करता है। नर्स के परिजनों का आरोप है कि ब्रेन हेमरेज होने के बाद विंध्या अस्पताल प्रबंधन के द्वारा एक लाख की मांग की जा रही थी। तकरीबन 5 घंटे इंतजार करने के बाद जब वह पैसा नहीं दे पाए तो उसे संजय गांधी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। न्याय की आस में कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे परिजनों ने उपमुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि नर्स अमृता कुशवाहा 3 वर्ष से विंध्या अस्पताल में काम कर रही थी। निरंतर ड्यूटी करने के दौरान उसे ब्रेन हेमरेज का अटैक हुआ। लेकिन विंध्या अस्पताल प्रबंधन इलाज शुरू करने की वजह एक लाख रुपए की मांग करता रहा, और पैसे ना मिलने के कारण तकरीबन 5 घंटे तक उसका इलाज नहीं किया। और तबियत बिगड़ने पर उसे संजय गांधी अस्पताल भेज दिया गया। परिजनों का यह भी आरोप है कि समय पर इलाज न होने के कारण अब उनकी बेटी पूरी तरह से विकलांग हो चुकी है। कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे पीड़ित पिता ने बताया कि अस्पताल में उनकी बेटी को 8000 महीने की पगार मिलती थी जो निर्धारित सरकारी रेट से भी काफी कम है। लेकिन वक्त परने पर अस्पताल प्रबंधन ने अपने ही स्टाफ के साथ सौदेबाजी शुरू कर दी। और आज उसका जीवन अंधकार में डूब चुका है फिलहाल इस घटना को लेकर परिजनों ने न्याय की गुहार लगाते हुए कलेक्टर से जांच की मांग की है। साथ ही उपचार के लिए शासन से मिलने वाली आर्थिक मदद की भी मांग की है।

श्री गणेसोत्सव धूमधाम से मनाने सभी तैयारियॉ पूर्ण, धर्म परिवार ने दी शुभकामनायें

रीवा। गत वर्षा की भॉति इस वर्ष भी श्री गणेसोत्सव-2024 को धूमधाम से भव्य रूप से मनाने श्री गणेश समितियों ने आकर्षक एवं कलात्मक मूर्तियो के विशाल पंडाल सजाये है साथ ही नगर में स्वागत द्वार एवं सजावट कराई जा रही है। भगवान गणपति के आगमन से समूचे नगर में भक्ति मय वातावरण बन चुका है। इस वर्ष हिन्दू उत्सव समिति धर्मपरिवर ने महानगर संस्कृति के अनुरूप चल विसर्जन समारोह को परिवर्तित कर नगर के हर वार्ड में स्थापित 5-10 श्री गणेश प्रतिमाओ को समितियों द्वारा स्वतः समय निर्धारित कर समूह रूप से निकाला जायेगा ताकि जिला पुलिस प्रशासन को अतिरिक्त पुलिस बल की व्यवस्था एवं सुरक्षा में कोई परेशानी ना हो। इस वर्ष दोपहर 02:00 बजे से सायं 07:00 बजे तक श्री गणेश चौकियॉ निकाली जाकर घरेलू एवं छोटी मूर्तियॉ श्री बाबा विश्वकर्मा घाट एवं व्यंकट भवन के सामने स्थापित अस्थाई कुॅडो में पूजापाठ

के साथ विसर्जित की जायेगी जिनकी व्यवस्था नगर निगम द्वारा की जा रही है। बड़ी मूर्तियो के विसर्जन के लिये करहिया घाट में जिला प्रशासन द्वारा पूर्वानुसार पूरी व्यवस्था की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णयानुसार इस वर्ष साउंड की व्यवस्था करना सभी के लिये अनिवार्य होगा। पुरस्कार श्रेणी में शामिल होने के लिये सभी समितियॉ निरीक्षण एवं निर्णय के लिये धर्मपरिवार के महासचिव सुरेश विश्नोई, युवा अध्यक्ष सुमित मॉजवानी, नगर अध्यक्ष अनिल मिश्रा से सम्पर्क कर सकती है। आने वाली हर समस्या के लिये भी धर्मपरिवार समितियों को पूरा सहयोग करेगा। धर्म परिवार के मार्गदर्शक डॉ0 सी.बी.शुक्ला, डॉ0 के.के. परौहा, डॉ. नरेश बजाज, डॉ0 ज्योति सिंह, आजीवन संरक्षक नारायण डिगवानी, अध्यक्ष गुरमीत सिंह मंगू, संरक्षक सुनील अग्रवाल, युवा शाखा संरक्षक संजय तिवारी मुन्नू, संयोजक रामकृष्ण अग्रवाल, महिला संरक्षक संतोषी गुप्ता, संस्कृतिक सचिव राजीव वर्मा गुड्डू ने सभी गणेश समितियों, नगरवासियों को साधुवाद देते हुये श्री गणेशोत्सव की हार्दिक शुभकामनाये एवं बधाई दी है।

उप मुख्यमंत्री ने मनकामेश्वर शिव मंदिर जीर्णोद्धार का किया भूमिपूजन

रीवा। शहर के हृदय स्थल कोठी कम्पाउण्ड में मनकामेश्वर प्राचीन शिव मंदिर स्थित है। इस मंदिर में हजारों भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं। जन सहयोग से मंदिर के जीर्णोद्धार और विस्तार का कार्य शुरू किया गया है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मनकामेश्वर शिव मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद उप मुख्यमंत्री ने मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मनकामेश्वर शिव मंदिर के विस्तार से इसे नया स्वरूप मिलेगा। यहाँ भव्य मंदिर बनाया जाएगा। शिव मंदिर के विस्तार से भक्तों को दर्शन में सहूलियत होगी। भक्तों को ध्यान में रखकर विभिन्न सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। निर्माण एजेंसी निर्धारित ड्राइंग डिजाइन के अनुसार मंदिर के विस्तार का कार्य तेजी से कराए। उप मुख्यमंत्री ने मंदिर निर्माण में सहयोग देने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, एसडीएम हुजूर वैशाली जैन, कार्यपालन यंत्री हाउसिंग बोर्ड अनुज प्रताप सिंह, विधायक प्रतिनिधि विवेक दुबे, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि तथा प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा तीन अलग अलग मामलों के कार्यवाहियों मे सफलता

जगदलपुर / बस्तर जिला में अपराध नियंत्रण के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन में लगातार कार्यवाही की जा रही है। जिस तारतम्य में अवैध शराब बिक्री पर बस्तर पुलिस को कार्यवाही करने में सफलता मिली है। सूचना प्राप्त हुआ था कि महादेवघाट में किसी व्यक्ति के द्वारा अवैध शराब बिक्री किया जा रहा है। सूचना पर पुलिस अधीक्षक, शलभ कुमार सिन्हा, के मार्गदर्शन एवं अति0 पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग, नगर पुलिस अधीक्षक उदित पुष्कर के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी कोतवाली शिवानंद सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर, कार्यवाही हेतु रवाना किया गया। उक्त टीम के द्वारा महादेव घाट में एक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान कर, रेड कार्यवाही किया गया। रेड कार्यवाही के दौरान उक्त व्यक्ति से पुछताछ करने पर अपना नाम राजु गुप्ता उर्फ राजू ध्रुव निवासी महादेवघाट जगदलपुर का होना बताया। जिसके कब्जे से एक काला रंग के जरकीन में अवैध देशी महुआ शराब 7 लीटर, कीमती-700/-रूपये, बरामद कर, जप्त किया गया है। आरोपी के विरूद्ध थाना कोतवाली में धारा 34 (2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर, कार्यवाही किया गया है। मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर, न्यायालय रवाना किया जा रहा है। वहीं एक अन्य प्रकरण में 70 वर्षीय आस्था निकुंज से लापता महिला को परपा क्षेत्र से ढूंढकर सकुशल वृद्धा आश्रम को सुपुर्द किया गया, एक अन्य मामले में नशीली दवाओं के मामले मे पिछले छः महीने से फरार अंकित मिश्रा नाम के आरोपी को पकड़ने मे पुलिस को सफलता मिली है!

डॉक्टरों की प्राइवेट प्रैक्टिस पर सख्ती : ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले डॉक्टर पर होगी कार्यवाही कलेक्टर व डीन नें दिये निर्देश

प्रतिबंध के बावजूद दुकानों की तरह डॉक्टरों के आवास के बाहर लगे है बोर्ड, सरकारी छोड़ निजी अस्पतालों में दे रहे सेवाएं

रीवा। जिले में चिकित्सा व्यवस्था को पटरी में लाने की कब आयत एक बार फिर से शुरू की गई है। यहां ड्यूटी टाइम में डॉक्टर प्राइवेट प्रैक्टिस कर रहे हैं। तो वही सरकारी अस्पताल छोड़कर निजी अस्पतालों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इस तरह की तमाम शिकायतों के मिलने के बाद रीवा की कलेक्टर और श्याम शाह मेडिकल डीन ने लापरवाह तत्वों पर शक्ति बरतनी शुरू कर दी है। डॉक्टरो पर आरोप है कि मरीज को अलग-अलग सरकारी अस्पतालों से निजी अस्पतालों में भेजा जाता है। ज्यादातर डॉक्टरों की अपनी निजी अस्पताल हैं। जहां मरीजों से इलाज के नाम पर मोटी रकम वसूली जा रही है। बता दे की रीवा का संजय गांधी अस्पताल संभाग का सबसे बड़ा अस्पताल है। यहां सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल भी है, साथ ही कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय भी है, जो डॉक्टरों को ड्यूटी के समय प्राइवेट प्रैक्टिस करने की पूरी तरह से बनाई है। लेकिन मरीज के परिजनों ने आरोप लगाया है कि, लंबे समय से डॉक्टर नियमित रूप से अपने सरकारी आवास में प्राइवेट प्रैक्टिस कर रहे हैं। इसके अलावा डॉक्टर कॉलोनी में सड़क के किनारे डॉक्टर ने अपने-अपने नाम के भारी भरकम बोर्ड भी लगा रखे हैं। जबकि अस्पताल प्रशासन और जिला प्रशासन का सख्त आदेश है कि कोई भी डॉक्टर सरकारी आवास के बाहर इस तरह के बोर्ड नहीं लगा सकता। रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल और श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय के डीन सुनील अग्रवाल का कहना है कि सरकारी कॉलोनी में डॉक्टर के द्वारा लगाए गए वोड पूरी तरीके से गलत है। उनके द्वारा अस्पताल की ड्यूटी के समय में प्रैक्टिस करना भी गलत है उन्होंने कहा की वह लगातार इस पर नजर गड़ाए हुए हैं। और जल्द ही कार्यवाही भी करेंगे बताया गया है कि पहले भी जिम्मेदारों ने प्राइवेट प्रैक्टिस पर रोक लगाने की कोशिश

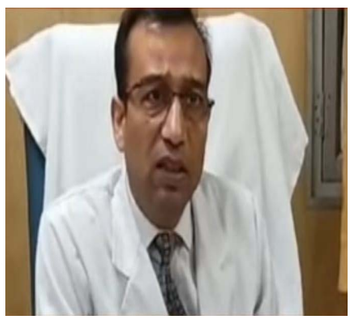

प्लेस्कूल में शिक्षिका का काम करती थीं कियारा

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री कियारा आडवाणी फिल्मों में आने से पहले अपनी मां के प्लेस्कूल में शिक्षिका के रूप में काम करती थी। कियारा आडवाणी ने भारतीय सिनेमा में अपनी पहचान बना ली है। कियार ने अपने शानदार प्रदर्शन और करिश्माई ऑन-स्क्रीन उपस्थिति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। इस साल कियारा के इंडस्ट्री में दस शानदार साल पूरे हुए हैं, और अपने बेहतरीन टैलेंट के दम पर उन्होंने अपने लिए एक अलग जगह बनाई है। उनके कुछ बेहतरीन प्रदर्शन ने उन्हें इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा महिला लीड में से एक बना दिया है।

सिनेमा में अपनी प्रसिद्धि से पहले, कियारा आडवाणी ने अपनी देखभाल और पोषण करने की स्वाभाविक क्षमता को अपनी मां के प्लेस्कूल में शिक्षक के रूप में निखारा, जहाँ उन्होंने बच्चों को नर्सरी राइम्स और बेसिक कॉन्सेप्ट्स सिखाए। इस शुरुआती अनुभव ने उनकी सहानुभूति और समर्पण को उजागर किया, जो उनके मनोरंजन उद्योग में भविष्य की सफलता की नींव बना। कियारा हमेशा से बच्चों की पसंदीदा रही हैं, और उनके साथ गहरा जुड़ाव रखने की क्षमता उनके पोषण और देखभाल करने वाले स्वभाव का परिणाम है, जो उनके शिक्षक के रूप में बिताए समय से विकसित हुआ। यह गुण उनकी एक्टिंग में भी झलकता है। उनकी फिल्मों, जैसे भूल भुलैया 2 और गुड न्यूज़ में निभाए गए किरदारों ने बच्चों के साथ खास संबंध बनाया, जिससे वह युवा दर्शकों के बीच भी बेहद लोकप्रिय हो गईं।

इस बीच, कियारा आडवाणी को पैन-इंडियन फिल्म 'गेम चेंजर' में देखा जाएगा, जिसमें उनके साथ राम चरण और निर्देशक शंकर हैं। इसके अलावा, उनके पास कुछ बड़ी फिल्में भी हैं, जिनमें ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ वॉर 2 और रणवीर सिंह के साथ डॉन 3 शामिल हैं।

'सेक्टर 36' का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी और दीपक डोबरियाल की आने वाली फ़िल्म 'सेक्टर 36' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में दीपक डोबरियाल सेक्टर 36 में हो रहे मर्डर की गुत्थी सुलझाते नज़र आ रहे हैं।विक्रांत मैसी इसमें खूंखार सीरियल किलर की भूमिका में हैं।पुलिस अफसर बने दीपक के सामने जो एक शख्स बार-बार आ रहा है वो विक्रांत मैसी हैं। ट्रेलर की शुरुआत विक्रांत मैसी थाने में बैठकर इंतजार करने से होती है, जैसे ही पुलिस अफसर बने दीपक डोबरियाल उनके सामने आते हैं, वो चौंक कर उठ जाते हैं।

आयुष्मान को लेकर फिल्म बनायेंगे अमर

बॉलीवुड के जानेमाने निर्देशक अमर कौशिक, आयुष्मान खुराना को लेकर फिल्म थांबा बनाने जा रहे हैं। अमर कौशिक के निर्देशन में बनी ब्लॉकबस्टर 2 स्त्री 2, हाल ही में प्रदर्शित हुयी है। अमर कौशिक अब फिल्म 'थांबा' बनाने जा रहे हैं, जिसमें आयुष्मान खुराना की मुख्य भूमिका होगी। फिल्म 'थांबा'वैंपायर फिल्म होगी। अमर कौशिक फिल्म थांबा' के लिए बतौर प्रोड्यूसर जुड़ेंगे।थांबा का निर्माण मेडॉक सुपरनैचुरल यूनिवर्स के तहत किया जाएगा। माना जा रहा है कि 'थांबा' नवंबर तक फ्लोर पर आ सकती है।

श्रीदेवी, माधुरी और कैटरीना से डांस की प्रेरणा लेती हैं शरवरी

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी का कहना है कि वह श्रीदेवी, माधुरी दीक्षित, कैटरीना कैफ ,रवीना टंडन जैसी कई अभिनेत्रियों से डांस की प्रेरणा लेती हैं। शरवरी, बहुमुखी प्रतिभा और समर्पण के लिए जानी जाती हैं, और उनका डांस के प्रति जुनून उतना ही गहरा है जितना कि उनका सिनेमा के प्रति प्रेम। 'तरस' में उनके शानदार प्रदर्शन ने इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। इतने बड़े डांस नंबर को करियर के शुरुआत में ही हासिल करना वास्तव में काबिले तारीफ है। शरवरी का डांस के साथ सफर केमरे के रोल होने से बहुत पहले शुरू हो गया था।

इस बारे में बात करते हुए शरवरी ने कहा, जैसे ही संगीत शुरू होता है, मैं तुरंत नाचने लगती हूं। यह मेरा स्वभाव है, जो बचपन से ही रहा है। बड़े होते हुए, मैं एक सुपर फिल्मी बच्ची बन गई थी और खुद को एक बॉलीवुड हीरोइन के रूप में कल्पना करती थी, जो शिफॉन साड़ी पहनकर सरसों के खेतों में दौड़ते हुए और हिंदी फिल्मों के खूबसूरत गानों पर नाचते हुए नजर आती थी। शरवरी ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने खुद के लिए इस पेशे को चुना और निश्चित रूप से 'तरस' जैसे बड़े डांस सॉन्ग को हासिल करने का सपना देखा। जब मेरे निर्माता दिनेश विजन सर ने मुझ पर भरोसा किया और मुझे इस डांस सॉन्ग के लिए चुना, तो मैं बहुत रोमांचित हुई। मैंने 'तरस' की शूटिंग के दौरान अपना सब कुछ दिया। यह इंडस्ट्री को दिखाने का एक मौका था कि मैं अच्छे से डांस कर सकती हूं, और इसमें मैंने कोई कसर नहीं छोड़ी है।मैंने रोज़ाना स्टेप्स का अभ्यास किया और मुझे खुशी है कि लोगों को जो उन्होंने देखा वो पसंद आया। जब मैंने थिएटर्स में लोगों को मेरे गाने पर नाचते हुए देखा, तो यह मेरे लिए एक बड़ी बात थी। मैं उम्मीद करती हूं कि मैं अपनी एक्टिंग, डांसिंग, मेहनत और पेशे के प्रति समर्पण के साथ लोगों का मनोरंजन करती रहूं।

72 वर्ष के हुये विधु विनोद चोपड़ा

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्म निर्माता-निर्देशक और स्क्रीन राइटर विधु विनोद चोपड़ा आज 72 वर्ष के हो गये। विधु विनोद चोपड़ा का जन्म 05 सितंबर 1952 को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में हुआ था। विधु विनोद चोपड़ा को हमेशा से ही फिल्मों से प्यार था। उन्होंने फिल्म निर्देशन अपने करियर के रूप में देखा और पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया में एडमिशन ले लिया जहां उन्होंने फिल्म निर्देशन की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने हिंदी सिनेमा में कदम रख दिया। विधु विनोद चोपड़ा बॉलीवुड के डायरेक्टर, प्रोड्यूसर, स्टोरी राइटर और एडिटर है, इसलिए उन्हें मल्टी टैलेंटेड भी कहा जाता है।उनकी फिल्मों की खास बात यह होती है कि उनकी फिल्में दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ साथ लोगों को संदेश भी देती हैं।

विधु विनोद चोपड़ा की वर्ष 1976 में प्रदर्शित पहली शार्ट फिल्म मर्डर एट मंकी हिल ने बेस्ट शार्ट एक्सपेरिमेंटल फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता और बेस्ट स्टूडेंट फिल्म का गुरू दत्त मेमोरियल अवार्ड भी जीता। इसके बाद बच्चों पर आधारित उनकी एक अन्य शार्ट डॉक्युमेंट्री एन एंकाउंटर विद फेसेस को 1979 के एकेडमी अवार्ड के डॉक्युमेंट्री शार्ट सब्जेक्ट की श्रेणी में नामांकित किया गया।

इसने 1980 में टैम्पर फिल्म फेस्टिवल में ग्रैंड पिक्स भी जीता। वर्ष 1981 में प्रदर्शित सजा-ए-मौत का निर्माण और निर्देशन विधु विनोद चोपड़ा ने किया है ।यह फ़िल्म मर्डर एट मंकी हिल पर आधारित थी। उन्होंने इसे एक पूर्ण-लंबाई वाली फ़िल्म में रूपांतरित किया, जिसमें नसीरुद्दीन शाह और राधा सलूजा ने वही भूमिकाएँ निभाईं जो उन्होंने, खुद और अंजलि पैगांकर ने लघु फ़िल्म में निभाई थीं।

वर्ष 1985 में विधु विनोद चोपड़ा ने अपनी स्वयं की प्रोडक्शन कंपनी, विनोद चोपड़ा फिल्म्स की स्थापना की। वर्ष 1985 में प्रदर्शित उनकी फिल्म खामोश में शबाना आज़मी, अमोल पालेकर , नसीरुद्दीन शाह और पंकज कपूर जैसे कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नज़र आए। उनकी अगली निर्देशित फिल्म, क्राइम ड्रामा परिंदा (1989), हिंदी सिनेमा में एक मील का पत्थर साबित हुई। इस फिल्म में जैकी श्राफ, नाना पाटेकर, अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित ने अहम भूमिका निभायी थी। वर्ष 1994 में प्रदर्शित विधु विनोद चोपड़ा की फ़िल्म 1942: ए लव स्टोरी ब्रिटिश राज के पतन के दौरान की देशभक्ति से भरी रोमांटिक ड्रामा थी। अनिल कपूर और मनीषा कोइराला की मुख्य भूमिकाओं वाली यह आखिरी फ़िल्म थी जिसका संगीत दिग्गज आर.डी. बर्मन ने दिया था। विधु विनोद चोपड़ा की अगली दो फ़िल्में, करीब और मिशन कश्मीर भी समीक्षकों और व्यावसायिक रूप से सफल रहीं।इसके बाद विधु विनोद चोपड़ा ने मुन्ना भाई एमबीबीएस , लगे रहो मुन्ना भाई , 3 इडियट्स , पीके और संजू जैसी कामयाब फिल्मों का निर्माण किया। वर्ष 2023 में विधु विनोद चोपड़ा ने 12वीं फेल का निर्माण और निर्देशन किया, जो दर्शकों को बेहद पसंद आयी।

बहुरंग

आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा का पोस्टर रिलीज

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट की आने वाली फिल्म जिगरा का पोस्टर रिलीज हो गया है। आलिया भट्ट अपनी अगली फिल्म 'जिगरा' में जोरदार एक्शन करती हुई नजर आएंगी। मेकर्स ने 'जिगरा' का दो पोस्टर रिलीज कर दिया है।आलिया भट्ट ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्टर शेयर किया है। पहले पोस्टर में 'द आर्चीज' के अभिनेता वेदांग रैना हैं, जिसमें आलिया भट्ट की सिर्फ बैक दिखाई गई है। दोनों कलाकार सिल्वर स्क्रीन पर भाई-बहन के रिश्ते को परिभाषित करते हुए नजर आएंगे। आलिया द्वारा शेयर किए गए पहले पोस्टर में वेदांग सबसे आगे खड़े नजर आ रहे हैं, जबकि आलिया हथौड़ा पकड़े हुए बैक शॉट देती नजर आ रही हैं।कैप्शन में लिखा, 'तू मेरे प्रोटेक्शन में है' #जिगरा सिनेमाघरों में 11 अक्टूबर को।इसके बाद मेकर्स ने आलिया भट्ट का फ्रंट पोस्टर भी रिलीज कर दिया है। जिसमें पैंट-शर्ट और बुलेट प्रूफ जैकेट में आलिया भट्ट कार के बोनट पर खड़ी हुई हैं और उन्होंने एक हाथ में हथौड़ा और दूसरे हाथ में कई और हथियार पकड़े हैं।दूसरे पोस्टर के साथ मेकर्स ने बहुत ही दिलचस्प कैप्शन भी दिया। उन्होंने लिखा, 'कहानी बहुत लंबी है और भाई के पास वक्त बहुत ही कम। फिल्म जिगरा का निर्देशन वसन बाला ने किया है। करण जौहर के साथ आलिया भट्ट भी फिल्म जिगरा को प्रोड्यूस कर रही हैं।

दिलचस्प

सनोज मिश्रा ने कंगना रनौत की तारीफ की

द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल के निर्देशक सनोज मिश्रा ने बॉलीवुड अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत की तारीफ की है। 'गांधीगिरी', 'श्रीनगर' जैसी कई फिल्में बनाने वाले सनोज मिश्रा ने अब बंगाल की कहानी को 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' के जरिये पर्दे पर दिखाया है।'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' की शूटिंग कोलकाता के अलग-अलग लोकेशन्स पर हुई है। 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' फिल्म 30 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज की गई है।

सनोज मिश्रा ने बताया कि जब उनकी फिल्म द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल पर विवाद शुरू हुआ, तो बॉलीवुड से उनके सपोर्ट में सिर्फ कंगना रनौत ने बात की। रिलीज से कुछ दिन पहले वह पुलिस के बुलावे पर कोलकाता गए थे। वहां के हालात और अपनी फिल्म पर बढ़ रहे विवाद को देखते हुए उन्हें खुद के साथ गलत होने की आशंका हुई, जिसके बाद वह तुरंत वहां से निकल गए। इस बीच उनका फोन बंद था। ऐसे में किसी को उनकी लोकेशन का पता नहीं लग पा रहा था। सनोज मिश्रा ने बताया,कंगना रनौत को मेरी गुमशुदगी और धमकियों के बारे में पचा चला, तो उन्होंने सोशल मीडिया पर तो पोस्ट किया ही। साथ ही ऑफ केमरा भी मेरे हक में मदद का हाथ आगे बढ़ाया। कंगना बोल्ड एक्ट्रेस हैं।

स्त्री 2 का गाना 'आयी नई' रातों-रात बना: सचिन-जिगर

संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर ने बताया है कि उनकी सुपरहिट फिल्म स्त्री 2 का गाना 'आयी नई' रातो-रात बना। संगीत की दुनिया में कुछ गाने महीनों में बनते हैं, जबकि कुछ पलक झपकते ही बन जाते हैं। ऐसा ही कुछ फिल्म स्त्री 2 के सचिन-जिगर के हालिया हिट गाने 'आयी नई' के साथ हुआ, जिसने इंडस्ट्री में तहलका मचा दिया। संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर ने पर्दे के पीछे की अविश्वसनीय कहानी का खुलासा किया कि कैसे गाना आयी नई रातों-रात बना।सचिन जिगर ने बताया कि कैसे भोजपुरी स्टार पवन सिंह को शामिल करने का फैसला आखिरी समय में लिया गया जो एक बड़ा फैसला था। गाने के रिलीज़ होने से एक दिन पहले, सचिन-जिगर ने फैसला किया कि पवन सिंह की अनोखी आवाज़ इस गाने के लिए एकदम सही रहेगी। उसी रात 11 बजे, पवन सिंह ने लखनऊ में अपने गाने रिकॉर्ड किए, और उसके बाद सचिन-जिगर ने मिक्सिंग और मास्टरिंग का मेराथन सेशन किया। सचिन-जिगर ने बताया, चंदेरी उस क्षेत्र के बहुत करीब है। हम उत्तर भारत से एक ऐसी आवाज़ चाहते थे जो अपने आप में प्रतिष्ठित हो। हमने पहली बार पवन सिंह को अंबानी की शादी में परफॉर्म करते देखा था, और उनकी ऊर्जा और मंच पर मोजूदगी अविस्मरणीय थी।

शिक्षक दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह एवं संगीत कार्यक्रम का किया गया आयोजन

शिवपुरी। शहर के महल कॉलोनी में राजेंद्र जैन राजमाया होटल वालों के निज निवास पर समाजसेवी आरती जैन द्वारा शाम को शिक्षक दिवस के अवसर पर एक संगीत कार्यक्रम एवं शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें संगीत प्रेमी एवं शिक्षकों द्वारा संगीत की शानदार प्रस्तुति दी गई इस अवसर पर शिक्षकों ने बहुत ही सुंदर-सुंदर कविताएं भी सुनाई जिसमे शिक्षक स्वाति बांझल, प्रियंका सिंघल , खुशबू जैन ,आयुषी सिंघल , चंद्रकला साहू, प्रियंका मिश्रा , हरीश श्रीवास्तव, मुकेश आचार्य , अरुण झा एवं धर्मेंद्र साहू जी को सम्मानित किया गया एवं इस अवसर पर पत्रकार संजीव बांजल,पूनम पुरोहित, राम यादव , राजू यादव ,जकी खान, अन्नू श्रीधर एवं समाजसेवी भरत अग्रवाल, सुबेदार गायत्री इटोरिया ,संगीत प्रेमी बृजेश अग्निहोत्री,

संगीता श्रीवास्तव, रजनी जैन एवं सभी संगीत प्रेमी उपस्थित रहे एवं कार्यक्रम का सफल संचालन गिरीश मिश्रा जी के द्वारा किया गया सभी शिक्षकों को माला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया अंत में समाजसेवी आरती जैन के द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया

शिक्षकों ने सुनाई सुंदर सुंदर कविताएं एवं गीत

-शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षक स्वाति बांजल के द्वारा एक शुभकामना गीत सुनाया गया जिसको सभी के द्वारा सराहा गया , गीत की कुछ पंक्तियां आप भी पढ़िए कदम बढ़ाकर आगे आना और छू लेना आसमां यही शुभकामना,छोटे छोटे संकल्पों से जीवन बड़ा बना लेना एक एक पद रखना आगे तुम और मंजिल को पा लेना सफल तुम्हारा जीवन हो यही हमारी कामना यही शुभकामना, एवं शिक्षक प्रियंका अग्रवाल द्वारा एक बहुत ही सुंदर कविता सुनाई गई जिसको सुनकर सभी प्रसन्न हो उठे , कविता की कुछ पंक्तियां आप भी पढ़िए निरक्षक को जो सार्थक कर दे वो शिक्षक कहलाता है जीवन को जो खुशियों से भर दे वो शिक्षक कहलाता है

सरस्वती शिशु मंदिर उ. मा. विद्यालय में मनाया गया शिक्षक दिवस

पत्रकार हरिओम परिहार

शिक्षकों एवं समस्त आचार्य दीदियो ओर नगर के पत्रकारो बंधुओं , सेवा निवर्त शिक्षक शिक्षिकाओं को किया गया सम्मानित, उज्ज्वल भविष्य की कामना मुंगावली स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में शिक्षक दिवस का आयोजन भव्य और गरिमामय तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्यों, मौजूदा प्रधानाचार्य और समस्त आचार्य बंधु/आचार्या बहनों को विद्यालय की प्रबंध समिति द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां शारदे के चरणों में पूजन अर्चन कर और दीप प्रज्वलन से हुई। प्राचार्य विशाल भार्गव ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए सभी उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। मंच पर अग्रिम पंक्ति में पूर्व आचार्य , मध्य पंक्ति में वरिष्ठ आचार्य और अंतिम पंक्ति में अन्य आचार्य उपस्थित रहे।

लोगों को किया गया सम्मानित–प्राचार्य विशाल भार्गव ने विद्यालय के पूर्व आचार्यों का परिचय कराते हुए उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने सभी पूर्व आचार्य और वरिष्ठ आचार्यों को माल्यार्पण और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इस सम्मान समारोह में विद्यालय की पुरानी परंपरा और शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

क्या है शिक्षक दिवस की महत्ता–कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य विशाल भार्गव ने शिक्षक दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए शिक्षकों की भूमिका को सराहा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का योगदान समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण होता है और उन्हें सम्मानित करना विद्यालय का कर्तव्य है। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष हरदीप अरोरा, व्यवस्थापक जगदीश श्रीवास्तब , कोषाध्यक्ष प्रमोद चतुर्वेदी पूर्व व्यवस्थापक रामनारायण तिवारी और मुख्य वक्ता रविन्द्र सिंह बैसय उवस्थित रहे।

यूनिफाइड पेंशन प्रांतीय आह्वान के अनुसार स्कीम (पीएस) का विरोध

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- जिले में मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस एवं राष्ट्रीय आह्वान पर यूनिफाइड पेंशन प्रांतीय आह्वान के

अनुसार स्कीम (पीएस) का विरोध शिवपुरी जिले के समस्त विकासखंड मैं किया गया राष्ट्रीय आह्वान के अनुसार पूरे भारतवर्ष के समस्त प्रदेशों के समस्त कर्मचारी अधिकारी जिन पर यह स्कीम लागू होती है उन्होंने 2 सितंबर से 6 सितंबर तक काली पट्टी बांधकर सांकेतिक विरोध दर्ज कराया मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र रघुवंशी ने एवं प्रांतीय पदाधिकारी भाई मनमोहन जाटव ने संयुक्त रूप से संभाग स्तर पर विशाल तैयारी की गई थी जिसके परिणाम स्वरूप शिवपुरी जिले में सबसे अधिक विरोध प्रदर्शन किया गया आज तक कर्मचारियों के लिए नई पेंशन स्कीम लागू थी इसका विरोध देखते हुए भारत सरकार द्वारा यूनिफाइड पेंशन स्कीम हाल ही में प्रस्तावित की गई थी जो न्यू पेंशन स्कीम से ज्यादा घातक है श्री रघुवंशी ने बताया कि इसमें इतनी लक्ष्मण रेखाएं हैं जिसको कोई कर्मचारी लॉन्ग नहीं सकता विश्लेषण करता हूं द्वारा एक-एक चीज का विश्लेषण कर छुपी हुई कमियों को सामने लाया गया है इसमें कर्मचारियों को कोई लाभ नहीं है ना ही किसी तरह की पेंशन है इस कारण इसका पूरे भारतवर्ष में विरोध हुआ है ब्रदर करने में समस्त शिक्षकों द्वारा अपने-अपने स्कूल पर काली पट्टी बांधकर कार्य किया साथ ही में विकासखंड स्तर पर विकासखंड अध्यक्षों के द्वारा सैकड़ो की संख्या में एकत्रित होकर जमकर विरोध दर्ज करवाया प्रांतीय पदाधिकारी श्री मनमोहन जाटव द्वारा बताया गया कि यदि ओल्ड पेंशन स्कीम हक्क लागू नहीं किया गया तो आने वाली 29 सितंबर में पूरे भारतवर्ष के समस्त प्रदेशों में समस्त जिलों में बृहद रैली निकालकर माननीय प्रधानमंत्री जी के नाम प्रत्येक जिले में जिलाधीश महोदय को ज्ञापन सोपा जाएगा फिर भी सरकार पुरानी पेंशन योजना लागू नहीं करती है तो आने वाले समय में और कड़ा विरोध दर्ज कराया जाएगा हमारे द्वारा चुने गए सांसद विधायक पुरानी पेंशन योजना का लाभ ले रहे हैं परंतु 2004 में स्वर्गीय माननीय प्रधानमंत्री जी श्री अटल बिहारी वाजपेई जी के कार्यकाल में पुरानी पेंशन बंद की गई थी अब इस राष्ट्रीय दल की सरकार है जिससे हमारी अपेक्षा पुरानी पेंशन योजना लागू करने की थी और रहेगी!

म.प्र. राज्य महिला क्रिकेट अकादमी की चयन ट्रायल 09 एवं 10 सितम्बर को शिवपुरी खेल परिसर मे किया जायेगा आयोजित

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खेल और युवा कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित म.प्र. राज्य महिला क्रिकेट अकादमी की चयन ट्रायल 2024 श्रीमंत माधवराव सिंधिया जिला खेल परिसर शिवपुरी में 09 एवं 10 सितम्बर को प्रातः 8 से सायं 6 बजे तक आयोजित की जाएगी। उक्त चयन ट्रायल में ऐसे बालिका क्रिकेट खिलाडी जिनकी आयु 14 से 21 वर्ष के मध्य हो वे सीधे चयन ट्रायल में सम्मिलित हो सकती है। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी डॉ.के.के. खरे ने बताया कि चयन ट्रायल में सम्मिलित होने हेतु बालिका खिलाड़ी को अपने साथ मूल प्रमाण पत्र एवं उनकी छायाप्रति साथ लाना अनिवार्य है। मूल प्रमाण पत्रों में अंक सूची, जन्म प्रमाण पत्र, मूल निवासी प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, 05 पासपोर्ट साईज फोटो, क्रिकेट खेल संबंधी प्रमाण पत्र-एस.जो. एफ.आई / एम.पी.सी.ए. या अन्य राज्य के क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित विभिन्न राज्य स्तरीय या राष्ट्रीय स्तर के प्रमाण पत्र शामिल है।

म.प्र. राज्य किकेट अकादमी शिवपुरी के प्रशिक्षक अरूण कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश की प्रथम शासकीय म.प्र. राज्य महिला क्रिकेट अकादमी शिवपुरी में वर्ष 2022 संचालित की जा रही है। जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर रही कई बालिका क्रिकेट खिलाि?यों का चयन राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के साथ-साथ इंडिया टीम में भी चयन हुआ है। गत वर्ष 02 खिलाड़ियों को रेलवे में नौकरी भी प्राप्त कर चुकी है। बालिका क्रिकेट खिलाड़ियों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में बालिका खिलाड़ी अकादमी चयन ट्रायल में सम्मिलित हो। चयन ट्रायल में सम्मिलित होने वाली बालिका खिलाड़ियों को भोजन, आवास एवं यात्रा पर व्यय होने वाली राशि स्वयं वहन करनी होगी। अधिक जानकारी के लिए ब्रजभूषण शर्मा के मो.नं. 9131710577 पर सम्पर्क कर सकते है।

स्कूल की सांस्कृतिक कार्यक्रम में हल्बी, गोंडी भाषा से संबंधित विधाएँ का करें समावेश: कलेक्टर विजय दयाराम के.

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय में विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक

जगदलपुर / कलेक्टर विजय दयाराम के. ने पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय में विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक में कहा कि स्कूल की सांस्कृतिक कार्यक्रम में हल्बी, गोंडी भाषा से संबंधित विधाएँ का समावेश करें, ताकि स्थानीय कला-संस्कृति के प्रति विद्यार्थियों में लगाव बना रहे। उन्होंने पीएम श्री एक्सिलेंस अवार्ड के लिए भी प्रयास करने के लिए स्कूल प्रबंधन को निर्देशित किए। कलेक्टर श्री विजय ने गुरुवार को शहर के पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय में विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक विद्यालय के सभाकक्ष में ली। बैठक में विद्यालय के आवश्यक संसाधनों के लिए और विद्यालय के विभिन्न विकास कार्यों हेतु अनुमोदन किया गया, साथ ही विद्यालय प्रबंध समिति के नए सदस्यों के चयन पर सहमति लिया गया। इसके अलावा विद्यालय की पीएम श्री सम्बंधित, शैक्षणिक, पाठ्य सहगामी क्रिया कलाप एवं खेल सम्बंधित उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया गया 7 बैठक में नामित अध्यक्ष सह मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रकाश सर्वे, एवं अन्य सदस्य प्रो. डा.आनंद मूर्ती मिश्रा, डा. प्रदीप पाण्डेय, एन रघुवीर, भरत गंगादित्य, हर्षित गर्ग, किशोर मनवानी सहित स्कूल प्रबंधन के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे

करोड़ों करोड़ कार्यकर्ताओं के बदौलत ही भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीति पार्टी : किरण देव

जगदलपुर। भारतीय जनता पार्टी सदस्यता अभियान को गति देने आज गुरूवार को नगर मण्डल एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा ने संयुक्त रूप से भाजपा जिला कार्यालय में सदस्यता अभियान का कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें विशेष रूप से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक किरण देव शामिल हुये। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा कि भाजपा सदस्यता अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। जिसमें प्रत्येक कार्यकर्ता को गंभीरता से योगदान देना है और भाजपा की सदस्यता अभियान को तेजी से बढ़ाना है।श्री देव ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुये कहा कि भाजपा अपने करोड़ों करोड़ कार्यकर्ताओं के बदौलत ही विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। भाजपा के सदस्यता अभियान में नये सदस्यों को जोड़ने का काम हमारे कार्यकर्ता पूरी निष्ठा व कर्मठता से पूरा करेंगे, यह पूर्ण विश्वास है। सभी कार्यकर्ता निर्धारित लक्ष्य को पूरा करें। बिहार जमुई की भाजपा विधायक व भाजयुमो की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रेयशी सिंह ने कहा कि भाजपा सदस्यता अभियान में देश का हर नागरिक, समाजसेवी जुड़ना चाहता है और भाजपा का सदस्य बनने इच्छुक है। ज्यादा से ज्यादा लोगों से संपर्क कर भाजपा सदस्यता अभियान की रफ़्तार बढ़ाने में सभी कार्यकर्ता अग्रणी रहे। कार्यक्रम को भाजपा जिला अध्यक्ष रूप सिंह मण्डावी, नगर मण्डल अध्यक्ष सुरेश गुप्ता, भाजयुमो जिला अध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव, सदस्यता अभियान प्रदेश सह प्रभारी युवा मोर्चा अभिषेक प्रताप सिंह ने भी संबोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन नगर मण्डल महामंत्री संग्राम सिंह राणा व आभार प्रदर्शन सदस्यता अभियान नगर मण्डल संयोजक मनोहर तिवारी ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से योगेंद्र पांडे,संजय पांडे, रजनीश पानीग्राही,नरसिंह राव, हरीओम साहू,भूपेंद्र नाग, जयराम दास,लक्ष्मण झा,अभिषेक धनकर, कुणाल ठाकुर,सुधा मिश्रा, यशवर्धन राव, दिगम्बर राव,राजपाल कसेर, त्रिवेणी रंधारी,नीलम यादव, योगेश ठाकुर, शशिनाथ पाठक, मानिक राम नाग,विक्रम सिंह यादव,संतोष बाजपेयी, प्रकाश झा, अभय दीक्षित,अशोक नेताम, दंतेश्वर राव, रोहित त्रिवेदी,सुरेश कश्यप,ममता राणा,किरण सेन,गीता नाग,बसंत कश्यप,योगेश मिश्रा,रैडू नाग,महेंद्र सेठिया,दुर्जन कश्यप, जीवनाथ मौर्य,रूपेश समरथ,विमल पांडे,सावेंद्र सेठिया, रोहित खत्री,अभिषेक तिवारी,गणेश नागवंशी,आनंद झा,रामप्रसाद मौर्य, बंटू पांडे,कृष्णा निषाद,मनोज ठाकुर, विकास पात्रों,अनिमेष चौहान,पिंटू साव आदि सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने सेवानिवृत्त शिक्षक का शाल, श्रीफल से किया सम्मान

रविन्द्र दास

जगदलपुर । संभाग मुख्यालय राजीव भवन में बस्तर जिला कॉंग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य के निर्देश पर कॉंग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं द्वारा भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की सादगीपूर्ण जयंती मनाई गई।इस दौरान कॉंग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं द्वारा

पुष्पांजलि अर्पित किया गया।सेवानिवृत्त शिक्षक दिलीप चन्द्र झा का शाल, श्रीफल से सम्मान किया गया।इस अवसर पर पूर्व विधायक रेखचन्द जैन ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा,दशकों तक डॉ राधाकृष्णन जी को सही अर्थों में एक सच्चे विश्वगुरु के रूप में देखा गया।डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ख्याति प्राप्त दार्शनिक और भारतीय दर्शन,द हिंदू व्यू ऑफ लाइफ, ईस्टर्न रिलीजन एंड वेस्टर्न थॉटद, प्रिंसिपल उपनिषद जैसी कई और अन्य लोकप्रिय पुस्तकों के लेखक भी थे।वह एक प्रोफेसर, कुलपति, तत्कालीन सोवियत संघ (यूएसएसआर) में राजदूत और भारत के उपराष्ट्रपति एवं राष्ट्रपति रहे साथ ही उपराष्ट्रपति के रूप में वह राज्यसभा के सभापति भी रहे।पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षा और दार्शनिक विचार पर अमिट छाप छोड़ी है और उनकी 'विरासत हमारे मूल्यों का मार्गदर्शन करती रहती है।पांच सितंबर 1888 को तमिलनाडु में जन्मे डॉ. राधाकृष्णन को भारतीय संस्कृति के संवाहक, प्रख्यात शिक्षाविद् और महान दार्शनिक के तौर पर जाना जाता है। पांच सितंबर का दिन उन्हीं के सम्मान में 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाता है।इस दौरान निगम अध्यक्ष कविता साहू,वरिष्ठ कॉंग्रेसी अंगद प्रसाद त्रिपाठी,परमजीत जसवाल,नरेंद्र तिवारी,रविशंकर तिवारी, हरिसिंह,शहनाज बेगम, पार्षद सूर्यपानी, गौरनाथ नाग,ललिता राव, सुषमा सुता,अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष रोजविन दास,महामंत्री जाहिद हुसैन,असीम सुता,कौशल नागवंशी सेवादल,संदीप दास,नीलम कश्यप,उस्मान रजा,आनंद शर्मा, फूलसिंह बघेल,सलीम अली,एस नीला,माही श्रीवास्तव,खिरेंद्र यादव,समीर खान आदि मौजूद रहे।

पकाएं-खिलाएं लाइफ बनाएं

इस समय देश और दुनिया में हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री दिन दूनी-रात चौगुनी तरक्की कर रही है। इससे लोगों को लिए रोजगार के नए-नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2014 तक हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री से जुड़े रोजगारों में 20 फीसदी तक इजाफा हो सकता है।

अनेक राहें

होटल मैनेजमेंट स्नातकों के लिए रोजगार की कई राहें उपलब्ध हैं। ऐसे लोग चाहें तो होटल इंडस्ट्री के अलावा एयरलाइन, क्रूज लाइन, टूर्स एंड ट्रैवल्स, रेस्त्रां, बार, फास्ट फूड श्रंखला, कैटरिंग इंडस्ट्री (संस्थानों, रेलवे व अस्पतालों में), हाईवे मोटेल्स, मनोरंजन पार्क व मॉल्स, मल्टीप्लेक्स, होटल व टूरिज्म इंस्टीट्यूट्स में रोजगार पा सकते हैं। इसके अलावा खुद रोजगार भी स्थापित किया जा सकता है।

मौजूदा परिदृश्य

हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में उच्च टर्नओवर एक मुख्य चुनौती है। आज नियोक्ताओं को ऐसे कर्मचारी मुश्किल से मिलते हैं जो बुनियादी 'सॉफ्ट स्किल्स' से लैस हों, जिसकी ग्राहक सेवा प्रधान इंडस्ट्री में सफलता के लिए बहुत जरूरत होती है। हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री के दिनोंदिन तरक्की करने के साथ इस क्षेत्र में बेहतर व तकनीकी रूप से सक्षम कर्मचारी और खासकर युवा शेफ तथा फूड-एंड-बेवरेज प्रोफेशनल्स की मांग काफी बढ़ गई है। आज हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री से जुड़े कई अंतरराष्ट्रीय शीर्ष ब्रांड हमारे देश में आ रहे हैं। इसके साथ-साथ शेफ के लिए भी अवसरों में इजाफा हो रहा है जो हॉस्पिटैलिटी व फूड इंडस्ट्री में फूड एंड बेवरेज सेक्टर की रीढ़ तैयार करते हैं।

देखा जाए तो आज शेफ का पेशा उन दिनों से बहुत आगे निकल चुका है जब वे अपनी रेसिपी व किचन को दुनिया की नजरों से बचाकर रखते थे। आज के शेफ युवा और जोशीले शख्स होते हैं जो लगातार अपनी नॉलेज को अपडेट करते रहते हैं और ऐसे प्रोडक्ट तैयार करते हैं जिनसे ब्रांड वैल्यू तैयार होती है। आज शेफ को होटल का चेहरा माना जाता है। देश में पाककला इंडस्ट्री के तीव्र विकास के साथ कुकिंग भी घरेलू किचन की चहारदीवारी से बाहर निकल आया है। अब यह सिर्फ महिला का अधिकारक्षेत्र नहीं रह गया है।

शेफ एक ऐसा आर्टिस्ट होता है, जिसे कुकरी की कला में महारत हासिल होती है और जो दूसरों को भी इसकी ट्रेनिंग दे सकता है। एक दक्ष शेफ न सिर्फ नए-नए व्यंजन ईजाद करता है, जो बेहद स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि अपनी मधुर मुस्कान के साथ ग्राहकों की सेवा करते हुए अपने साथ-साथ कारोबार की तरक्की में भी भागीदार बनता है।

रोजगार की संभावनाएं

इस पेशे में कॅरियर संबंधी अवसरों की कोई सीमा नहीं है। किसी दक्ष शेफ को होटल, रेस्त्रां, एयर कैटरिंग यूनिट्स, फूड प्रोसेसिंग कंपनियों, कफैक्शनरीज, क्रूज लाइनर, कारपोरेट कैटरिंग में आसानी से रोजगार मिल सकता है। इंडस्ट्री में होने वाले उतार-चढ़ावों से शेफ का पेशा प्रभावित नहीं होता क्योंकि अच्छे खाने के शौकीन लोग लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठाए बगैर कभी नहीं रह सकते। आप चाहें तो अपना रोजगार भी स्थापित कर सकते हैं। इसके अलावा छोटे-बड़े फूड आउटलेट्स में प्रोफेशनल शेफ की काफी मांग होती है।

कार्यक्षेत्र

भोजन तैयार करने के अलावा किसी आहार-गृह के मुख्य शेफ को विभिन्न तरह के मेन्यू तैयार करने का जिम्मा भी सौंपा जाता है जो ग्राहकों के टेस्ट के अनुरूप हों। यह शेफ ही है जो आगे चलकर पकाए जाने वाले भोज्य पदार्थों का ऑर्डर देता है और बाकी किचन स्टाफ की निगरानी भी करता है। सबसे अहम बात, शेफ को स्वादिष्ट लजीज भोजन का जबरदस्त प्रेमी होना चाहिए। किसी शेफ की गुणवत्ता इस बात से इंगित होती है कि वह कितना जायकेदार भोजन तैयार कर सकता है। उसे अलग-अलग तरह की पाककलाओं में दक्ष होना चाहिए। शेफ को कोल्ड किचन, हॉट किचन या बेकरी कफैक्शनरी जैसे विशेषज्ञता वाले क्षेत्रों को चुनते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

विकास में सहभागी

कह सकते हैं कि चमकदार सफेद टोपी के नीचे एक सौम्य मुस्कराते चेहरे के साथ-साथ लोगों की स्वाद कलिकाओं को उत्तेजित करने के लिए लजीज व्यंजनों को पकाने का हुनर इस पेशे के लिए जरूरी है। यह एक ऐसा पेशा है, जिसमें आपको अवसर, सम्मान, ग्लैमर, प्रसिद्धि और पैसा सब कुछ मिल सकता है। यदि यह कहा जाए कि शेफ बनना अपने आप में बड़े गौरव की बात है तो गलत नहीं होगा। पहले की बात और थी, जब इस पेशे को लोग दोयम दर्जे का समझते थे। तब से लेकर अब तक किचन का माहौल और शेफ का नजरिया भी काफी हद तक बदल गया है। आज अनेक युवा शेफ बनने की ओर उन्मुख हो रहे हैं। आज के ज्यादातर शेफ किसी होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट से पढ़कर निकले होते हैं, जिन्हें इस पेशे के बारे में सारी जानकारी होती है। यह मल्टीटास्किंग का दौर है। यानी आज एक शेफ अलग-अलग तरह की पाक शैली के व्यंजन पकाने में समान रूप से दक्ष होता है।

इस दौर में पाककला संबंधी शोज और पत्र-पत्रिकाओं की बढ़ती लोकप्रियता के साथ शेफ भी अब पब्लिक फिगर बन गए हैं। यदि आप भी लजीज व्यंजन पकाने और खिलाने के शौकीन हैं तो मानकर चलिए कि हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में आपके लिए बेहतरीन अवसरों की कमी नहीं है, बस जरूरत है सही दिशा में कदम आगे बढ़ाने की।

बेहतर शेफ बनने हेतु जरूरी बातें

- खान-पान सामग्री संबंधी अच्छा ज्ञान।
- फूड इंडस्ट्री की मौजूदा मांग के बारे में समग्र जानकारी।
- इस बात की पूरी जानकारी होना कि किस मौसम में कौन सी भोजन सामग्री (फल, सब्जियां, मसाले इत्यादि) उपलब्ध होती हैं।
- नई-नई बातों को सीखने व अपनाने की ललक।
- आप ऐसे बदलाव करने में सक्षम हों जो समाज या आबादी के एक खास हिस्से की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरी कर सकें।
- नए-नए प्रयोगों के प्रति सकारात्मक नजरिया रखना।

संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एंड होटल मैनेजमेंट, देहरादून।
- होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट स्टडीज, नवी मुंबई।
- सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग, भुवनेश्वर।
- हाई-केट्स कॉलेज ऑफ होटल मैनेजमेंट, पुणो।
- हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ होटल एंड टूरिज्म, शिमला।
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, पानीपत।
- क्राइस्ट कॉलेज, बेंगलुरु।
- कैम्बे इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट, गांधीनगर।

फॉरेंसिक एकाउंटेंट्स की माँग

दिन-ब-दिन बढ़ते कॉरपोरेट घोटालों से फॉरेंसिक एकाउंटेंट्स के लिए रोजगार के अवसर समूची दुनिया में तेजी से बढ़े हैं। इनका काम आम एकाउंटेंट्स से भिन्न होता है।

कंपनियों का महज लेखा-खाता तैयार करने तक ही इनका काम सीमित नहीं है बल्कि इन्वेस्टर्स, शेयर होल्डर्स, इनकम टेक्स विभागों आदि को धोखा देने के इरादे से तैयार जाली एकाउंट्स का पता लगाना और दोषी लोगों तक पहुँचने में मदद करने का भी इनका काम है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में इस वक्त 6 हजार से अधिक फॉरेंसिक एकाउंटेंट्स की जरूरत है।

फॉरेंसिक एकाउंटेंट्स मोटे तौर पर दो क्षेत्रों में अपना योगदान देते हैं, ये हैं इन्वेस्टीगेटिव एकाउंटिंग और कानूनी मामलों में सबूत जुटाने में मदद करना। इतना ही नहीं, कॉरपोरेट फ्रॉड्स की रोकथाम और नुकसान कम करने में भी इनकी अहम भूमिका नकारी नहीं जा सकती है।

बहुचर्चित सत्यम घोटाले के बाद न सिर्फ कॉरपोरेट जगत इस बारे में सचेत हुआ है बल्कि आम शेयरधारक और सरकारी तंत्र भी काफी जागरूक हो गए हैं। नामी कंपनियों में फुलटाइम अथवा अनुबंध आधार पर मोटी फीस की एवज में इस प्रकार के एक्सपर्ट्स को नियुक्त करने का एक नया ट्रेंड ही चल पड़ा है।

एकाउंटस का समस्त कामकाज अब पूरी तरह कंप्यूटर एवं सॉफ्टवेयर आधारित हो चुका है। ऐसे में महज एकाउंटस का जानकार होना इस क्षेत्र में करियर निर्माण के लिए पर्याप्त नहीं कहा जा सकता है। रोज इससे संबंधित नए सॉफ्टवेयरों का विकास देश-विदेश में किया जा रहा है।

इसी कारण स्वयं को इन समस्त तकनीकियों और एकाउंटस के गुरों से अवगत रखना सफलता की ऊँचाइयाँ छूने की अनिवार्य शर्त कही जा सकती है। अमूमन इन प्रोफेशनलों को इन्वेस्टीगेटिव एजेंसियों, पुलिस और अन्य कानूनी पेशेवरों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करना पड़ता है इसलिए लॉ का ज्ञान इन्हें आगे बढ़ने में अतिरिक्त सहायता प्रदान करता है।

रिसर्च का हाइटेक क्षेत्र

फोटोनिक्स

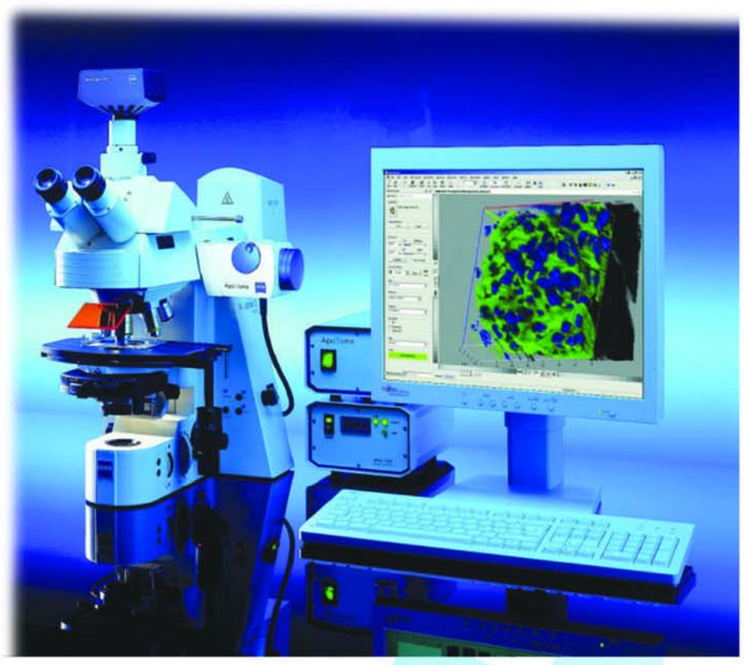

फोटोनिक्स यानी प्रकाश का उपयोग कर सूचना को हासिल करना, आगे पहुंचाना और प्रोसेस करना। यह रिसर्च का हाईटेक क्षेत्र है। इसका विकास ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रॉनिक्स के फ्यूजन से हुआ है। फिजिक्स की इस शाखा में फोटॉन यानी प्रकाश के मूल तत्व का अध्ययन होता है। लेसर गन, ऑप्टिकल फाइबर्स, ऑप्टोमेट्रिक इंस्ट्रुमेंट्स आदि पर रिसर्च भी इसी के तहत होती है।

फोटोनिक्स क्यों? : इस अगली पीढ़ी यानी 21वीं सदी की तकनीक माना जाता है। ठीक उसी तरह जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स को 20वीं सदी की तकनीक माना जाता है। हालांकि फोटोनिक युग की शुरूआत 60 के दशक में लेजर की खोज के साथ ही हो गई थी। इसने 70 के दशक में टेलिकम्युनिकेशन में अपना असर दिखाया। इसके नेटवर्क ऑपरेटर्स ने फाइबर ऑप्टिक्स डाटा ट्रांसमिशन का तरीका अपना लिया। इसीलिए काफी पहले ही गढ़ा जा चुका शब्द फोटोनिक्स आम प्रचलन में आया 80 के दशक में।

यह कहां प्रयोग होता है? : अभी कुछ सालों से टेलिकम्युनिकेशन, कंप्यूटिंग, सुरक्षा और कई अन्य प्रक्रियाओं में फोटोनिक्स का उपयोग आधारभूत तकनीक के रूप में होने लगा है। इससे न सिर्फ काम की स्पीड कई गुना बढ़ जाती है बल्कि वह प्रभावशाली भी हो जाता है। इसका उपयोग बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायलॉजी, मेडिसिनल साइंस, सर्जरी और लाइफ साइंस में भी होता है। अब औद्योगिक उत्पादन, माइक्रोबायलॉजी, मेट्रोलॉजी में भी इसका उपयोग होने लगा है।

यह कोर्स कौन करे? : वही, जिसकी गहरी रुचि विज्ञान और इसकी बारीकियों में हो। इसकी गुत्थियां सुलझाने में मजा आता हो। फोटोनिक्स विशेषज्ञ के रूप में आप किसी फर्म में इंजीनियर, वैज्ञानिक और टेक्नीशियन का काम कर सकते हैं। किसी विश्वविद्यालय या शासकीय अनुसंधान विभाग में भी बतौर प्रोफेशनल ऑफीसर करियर बना सकते हैं।

क्या गुण चाहिए? : विज्ञान से गहरा लगाव और फिजिक्स व मैथमेटिक्स में गहरी पकड़ की जरूरत है। इसके साथ चाहिए रचनात्मकता। यही गुण आपको बार-बार कुछ नया करने के लिए प्रेरित करेगा। बढ़िया कम्युनिकेशन स्किल भी काफी जरूरी है।

शैक्षणिक योग्यता : फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स विषय के साथ न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों से बारहवीं पास करने वाले छात्र फोटोनिक्स और ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक्स में ग्रेजुएट कोर्स करने के पात्र हैं। फिजिक्स, मैथ्स, एप्लाइड फिजिक्स या इलेक्ट्रॉनिक्स में ग्रेजुएट फोटोनिक्स या ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक्स में एमएससी कर सकते हैं। इस क्षेत्र में एमटेक, एमफिल या पीएचडी भी की जा सकती है। इनके लिए योग्यता होगी फिजिक्स या फोटोनिक्स में एमएससी। इसके अतिरिक्त कुछ डिप्लोमा कोर्स भी उपलब्ध हैं। इन्हें करके फोटोनिक्स टेक्नीशियन बना जा सकता है। ये कोर्स सामान्यतया दो साल की अवधि वाले होते हैं।

रोजगार के मौके : फोटोनिक्स में दक्ष लोगों की दुनिया भर में मांग है। इसका विशेषज्ञ इंजीनियर, टेक्नीशियन या टेक्नोलॉजिस्ट के तौर पर काम कर सकता है। सरकारी और औद्योगिक रिसर्च लैब में रिसर्च ऑफीसर बनने के भी खूब मौके हैं। उत्पादन, डिजाइन, सिस्टम्स, एप्लीकेशंस और डेवलपमेंट आदि क्षेत्रों में भी काम के भरपूर मौके हैं।

आकर्षक वेतन : शिक्षा और अनुभव के आधार पर वेतन कम-ज्यादा हो सकता है। शुरूआत में 20000 से 25000 रुपए मासिक वेतन मिलता है। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन आदि देशों में फोटोनिक्स रिसर्चर या साइंटिस्ट का सालाना पैकेज 36000 से 1.17 लाख डॉलर यानी 16.50 लाख से 54.50 लाख तक होता है।

प्रमुख इंस्टीट्यूट्स

- द इंटरनेशनल स्कूल ऑफ फोटोनिक्स कोचीन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कोचीन-22, केरल
  फोन: 484-2575396, 2577550, 2575848
  वेबसाइट: photonics.cusat.edu, cusat.ac.in
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मद्रास डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मद्रास,
  चेन्नई- 600036 फोन: 044-22574851
  वेबसाइट: physics.iitm.ac.in
- मनीपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन,
  मनीपाल-576104, कर्नाटक
  फोन: 0820-2571978
  वेबसाइट: admissions.manipal.edu
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली
  डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स, दिल्ली-110016 फोन: 011-2659 1361
  वेबसाइट: web.iitd.ac.in optoelectronics/inde&.htm
- द डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स, ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी
  द ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी, कैनबरा एसीटी 0200, ऑस्ट्रेलिया
  इंटरनेशनल टी: +61 261255111
  वेबसाइट: photonics.anu.edu

रियल एस्टेट जोखिम

डिस्काउंट्स के पीछे का सच क्या है?

रियल एस्टेट मार्केट में अनेक डिवैल्पर्स लुभावने और भारी डिस्काउंट्स की पेशकश करते रहते हैं। जहां कुछ डिवैल्पर्स का उद्देश्य वास्तव में अधिक से अधिक ग्राहकों को आकर्षित करना होता है, वहीं कुछ डिवैल्पर्स द्वारा दिए जाने वाले भारी डिस्काउंट्स के लालच में पड़ने वाले खरीदारों को बड़ा घाटा भी उठाना पड़ सकता है।

रियल एस्टेट मार्केट आश्चर्यों से भरा है। ऐसे में खुद को इससे जुड़े जोखिमों से अवगत करके आप काफी हद तक नुक्सान से बच सकते हैं। आइए आपको रियल एस्टेट मार्केट में दिए जाने वाले डिस्काउंट्स से जुड़े कुछ जोखिमों से अवगत करवाएं-

पहली परिस्थिति

डिवैल्पर ने अनैस्ट मनी अदा कर स्थानीय किसानों के साथ एग्रीमैंट्स किए हैं परंतु भूमि अधिग्रहण पूरा करने के लिए उसे धन की जल्द आवश्यकता है। चूंकि फाइनैंस कम्पनियां भूमि अधिग्रहण के लिए धन मुहैया नहीं करवाती हैं और हो सकता है कि डिवैल्पर का कर्जा लौटाने का इतिहास अच्छा न हो, ऐसे में वह अपार्टमैंट्स को मार्केट में भारी डिस्काउंट्स पर बेचना शुरू कर देता है ताकि उसे भूमि अधिग्रहण के लिए पैसा मिल जाए।

जोखिमः हो सकता है कि डिवैल्पर नियत समय में पूरे पैसे एकत्र न कर सके। यहां भूमि को लेकर विवाद भी पैदा हो सकता है। ऐसे में खरीदार का पैसा फंस सकता है क्योंकि उसका न तो भूमि पर अधिकार है और अपना पैसा वापस पाने में उसे काफी मुश्किल हो सकती है।

दूसरी परिस्थिति

भूमि पर डिवैल्पर का स्वामित्व है और वह भूमि के स्वीकृत प्रयोग में बदलाव करवाना चाहता है परंतु प्रोजैक्ट को आगे बढ़ाने के लिए उसके पास धन की कमी है। वह प्रोजैक्ट स्थल पर दीवारें खड़ी करके और थोड़ा-बहुत सौंदर्यीकरण करने के बाद मार्कीट में लुभावनी स्कीम्स के साथ अपार्टमैंट्स की बुकिंग शुरू कर देता है। इसके लिए वह आकर्षक बुकलैट्स और पम्फलैट्स आदि वितरित करके खरीदारों को लुभाता है ताकि धन इकट्ठा किया जा सके।

जोखिमः इस प्रकार के डिवैल्पर्स के पास प्रबंधन में कम अनुभव हो सकता है जिससे इन्हें सरकारी विभागों और अधिकारियों से स्वीकृत्यिां आदि हासिल करने में कठिनाई हो सकती है। इससे प्राजैक्ट पूरा होने में देरी होगी। इससे बजट बढ़ जाता है जिसका बोझ कीमत वृद्धि के रूप में खरीदार पर ही डाल दिया जाता है। इस स्थिति में फंसे खरीदार शुरूआत में निवेश किए धन को बचाने के लिए बाद में कितनी भी अतिरिक्त कीमत अदा करने को मजबूर हो जाते हैं।

गणेश चतुर्थी : शनिवार को घर-घर विराजेंगे श्रीजी

ग्वालियर। गणेश चतुर्थी के अवसर पर शनिवार को घर-घर में गणेश जी विराजेंगे। गणेशजी को विराजने के लिए सभी जगह तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। गणेश उत्सव को लेकर श्रद्धालुओं का

उत्साह चरम पर हैं। गणपति बप्पा के स्वागत के लिए भव्य एवं आकर्षक पंडाल तैयार किये गये हैं। प्रमुख बाजार आकर्षक विद्युत सज्जा से जगमगा रहे है। घरों में श्रीजी को रिद्धि-सिद्धि के साथ विराजित करने की तैयारियां शुरु हो गईं हैं। गणेशजी के पसंदीदा मोदक बनाए जा रहे हैं।

शनिवार को मंगलमूर्ति और विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेशजी की स्थापना धूमधाम से होगी। गणेश प्रतिमाओं को मूर्तिकारों ने अंतिम रूप दे दिया है। वहीं गली मौहल्लों, बाजारों में गणेश जी की स्थापना को लेकर मंच लग चुके हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर सबसे ब? गणेश जी इस बार अचलेश्वर महादेव मंदिर पर विराजेंगे। अचलेश्वर महादेव मंदिर पर 20 फीट के गणेश जी विराजेंगे। इसके साथ ही दौलतगंज सहित महाराज बाड़ा, हजीरा, मुरार, नयाबाजार, हनुमान नगर में भी बड़े गणेशजी विराजेंगे। अचलेश्वर मंदिर के प्रबंधक वीरेंद्र शर्मा ने बताया कि परंपरागत रूप से 20 फीट ऊंची प्रतिमा जीवाजीगंज कुशल कारीगार द्वारा तैयार कराई गई है। श्रीजी को शुक्रवार की रात को ही मंडप तक लाया जाएगा। शनिवार को हवनकुंड के पास तैयार किए गए मंडप में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ श्रीजी को विराजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मंडप स्थल को सजाने के साथ दूरसंचार विभाग के आफिस से लेकर सनातन धर्म मंदिर की आकर्षक विद्युत सज्जा की गई है। प्रतिदिन सुबह-शाम आरती के साथ शुद्ध देसी घी के लड्डुओं का भोग लगाकर श्रद्धालुओं द्वारा भक्तों में वितरित किया जाएगा। दौलतगंज में यंग्स हिन्द क्लब व नागदेवता मंदिर सहित चार स्थानों पर युवाओं द्वारा श्रीगणेशजी विराजित किए जाते हैं। बाजार को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। चित्रगुप्त धाम के पास मेला जैसा माहौल हैं। गणेश मंडपों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियां की जा रही है।

भाविप सहयोग शाखा का गुरु वंदन एवं छात्र अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित

ग्वालियर। भारत विकास परिषद सहयोग शाखा का गुरुवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर सिकन्दर कम्पू पर सुबह गुरु वंदन छात्र अभिनंदन का कार्यक्रम सिटी चिल्ड्रन हाई स्कूल, उदिता कान्वेंट स्कूल, क्विट ग्रीन वेली स्कूल के बच्चों और शिक्षकों के साथ क्षेत्रीय संयुक्त महासचिव अनूप अग्रवाल की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में बच्चों को मिठाई वितरण के साथ-साथ विद्यालय के शिक्षिकाओं-शिक्षकों को शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का शुभारंभ भारत विकास परिषद के रीजनल सयुंक्त महासचिव अनूप अग्रवाल, स्कूल संचालकएन सी श्रीवास्तव एवं प्राचार्या श्रीमती सुचेता श्रीवास्तव ने भारतमाता और स्वामी विवेकानंद जी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्जवलित कर किया। तदोपरान्त बच्चों के द्वारा गुरु वंदना

का वाचन किया गया। इस मौके पर क्षेत्रीय संयुक्त महासचिव अनूप अग्रवाल ने कहा कि गुरु हमारे जीवन का दर्पण होता है वह हमारे सपनों को साकार करते है गुरु और माता पिता दोनों ही सदेव पूज्यनीय होते है और जब आप गुरु का सपना साकार करते है तो गुरु अपने आप को गौरवान्वित महसूस करते है। कार्यक्रम में विद्यालय के संचालक एन. सी. श्रीवास्तव, प्रिंसीपल श्रीमती सुचेता श्रीवास्तव एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं में भारती मेडम, निधि, रवि सर, उपेन्द्र घाटके, जानवी, दीपिका एवं करीना मेडम सभी को शील्ड और श्रीफल देकर सम्मानित किया। साथ ही विद्यालय के 30 उत्कृष्ट बच्चों को भी शील्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष राजकुमार गर्ग, रामनाथ अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, पवन सिंघल, नंदकिशोर अग्रवाल, मोहनलाल जैन, रविकुमार गर्ग, दिलीप कुमार बंसल, दिनेश कुमार अग्रवाल, कृष्ण कांत अग्रवाल, दिनेश चंद बंसल, प्रांतीय मीडिया सयोजक अशोक गर्ग आदि उपस्थित रहे।

पत्रकार स्वास्थ्य बीमा 2024-25 राशि शून्य करने की मांग

- प्रेस क्लब और मध्यप्रदेश पत्रकार संघ मुख्यमंत्री के नाम सौंपेगा ज्ञापन, मध्यप्रदेश में भी उत्तर प्रदेश सरकार की तर्ज पर 5 लाख का पत्रकार स्वास्थ्य बीमा निशुल्क किया जाए

ग्वालियर। ग्वलियर प्रेस क्लब और मध्य प्रदेश पत्रकार संघ के सयुंक्त तत्वाधान में फुलबाग स्थित प्रेस क्लब भवन में शुक्रवार को एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पत्रकार स्वास्थ्य बीमा राशि शून्य किये जाने को लेकर चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मध्यप्रदेश सरकार पत्रकारों के स्वास्थ्य बीमा और दुर्घटना बीमा योजना वर्ष 2024-25 के लिए ब?ई गई प्रीमियम को सहानभूतिपूर्वक शून्य करे। साथ ही मध्यप्रदेश मे भी उत्तरप्रदेश की भाजपा शासित योगी सरकार की तर्ज पर पर पांच लाख रुपये तक की पत्रकार स्वास्थ्य बीमा योजना निशुल्क लागु करे। बैठक मे सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया की प्रदेश के मुख्यमंत्री डाक्टर मोहन यादव के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सोपा जायेगा। साथ ही पत्रकार स्वास्थ्य बीमा राशि शून्य करने की मांग 3 दिवस में निराकरण किया जाए अन्यथा ग्वालियर प्रेस क्लब और मध्यप्रदेश पत्रकार संघ बीमा योजना को अस्वीकार करने के लिए बाध्य होगा। बैठक में प्रेस क्लब अध्यक्ष राजेश शर्मा, मध्यप्रदेश पत्रकार संघ प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र माथुर, संभागीय अध्यक्ष ब्रजमोहन शर्मा, जिलाध्यक्ष दीपक तोमर, सोशल मीडिया अध्यक्ष प्रवीण दुबे, फोटो जर्नलिस्ट अध्यक्ष राजेश जायसवाल, वरिष्ठ पत्रकार डाक्टर सुरेश सम्राट, बच्चन बिहारी, सुरेश डंडोतिया, रविन्द्र झारखरिया, जोगेंद्र सेन, ब्रजराज तोमर, आनंद त्रिवेदी, रवि उपाध्याय, रवि यादव, प्रमोद शिंदे सहित अन्य पत्रकार उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया ई-रिक्शा कलर कोडिंग कार्य का निरीक्षण

ग्वालियर। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए शहर में जल्द ही दो शिफ्ट में ई-रिक्शा का संचालन शुरू होने जा रहा है। इस उद्देश्य से अभियान बतौर ई-रिक्शा की शिफ्ट के लिहाज से कलर कोडिंग की जा रही है। कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान ने शुक्रवार को फूलबाग पर चल रहे ई-रिक्शा कलर कोडिंग कार्य का जायजा लिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों एवं ई-रिक्शा पर कलर कोडिंग कर रहे पेंटर्स को तेजी से यह कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। ज्ञात हो शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन, पुलिस एवं नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर में चल रहे सभी ई-रिक्शा का पंजीयन कराया गया है। साथ ही स?क सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए शहर में दो शिफ्टों में ई-रिक्शा चलाने का निर्णय लिया गया है। इसी क?ी में ई-रिक्शों की कलर कोडिंग की जा रही है। तथा ई-रिक्शा के संचालन के पीले और नीले रंग की पट्टिका ई-रिक्शा पर बनाई जा रही है। शहर में तीन स्थानों गोला का मंदिर, फूलबाग एवं आमखो पर यह काम किया जा रहा है। अभी तक लगभग 3150 ई-रिक्शा की कलर कोडिंग की जा चुकी है। कलर कोडिंग कार्य को तेज करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान ने फूलबाग पर चल रहे कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कलर कोडिंग का कार्य कर रहे कर्मचारियों से बात की तथा उन्हें कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही ई-रिक्शा चालकों से कहा कि वे अपने रिक्शे पर निर्धारित पट्टिका अवश्य पेंट करवा लें, जिससे उन्हें ई-रिक्शा चलाने में कोई दिक्कत न आए।

नल-जल योजनाओं और सड़कों की मरम्मत का काम तेजी से हों: श्रीमती दुर्गेश जाटव

ग्वालियर। शेष नल-जल योजनाओं का काम तेजी से पूर्ण करें। साथ ही नल-जल योजनाओं की पाइप लाइन बिछाने से क्षतिग्रस्त हुईं गांव की सड़कों को मूल रूप में लाने का काम भी प्रमुखता से किया जाए। यह निर्देश जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव ने शुक्रवार को जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिए गए। बैठक में ग्रामीण अंचल की पेयजल व बिजली व्यवस्था सहित महिला एवं बाल विकास विभाग की गतिविधियों की समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका सतेन्द्र सिंह सहित जिला पंचायत के अन्य सदस्यगण एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

भागवत कथा के लिये हुआ भूमिपूजन, 11 सितंबर से प्रारंभ होगी

ग्वालियर। गौरवशाली सामाजिक संस्था एवम गौरवशाली श्रीमद भागवत सेवा समिति के द्वारा श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन 11 से 18 सितम्बर तक नेताजी गार्डन सिकन्दर कम्पू मिसहिल स्कूल के पास किया जा रहा है। सुप्रसिद्ध भगवताचार्य पं. घनश्याम शास्त्री महाराज भक्तों को अपने मुखारबिंद से कथा का रसपान कराएंगे। भागवत कथा के लिये भूमिपूजन शुक्रवार को किया गया। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष अभय चैधरी, पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, निगम सभापति मनोज तोमर, पार्षद धर्मेंद्र जैन, गिरजा गर्ग सहित डॉ. जितेन्द्र सिंह राजावत, श्रीमती तृप्ती भटनागर, श्याम श्रीवास्तव, इंजी. विजय शर्मा, दिनेश शर्मा, श्रीमती रीता डोंगरा, एड. शिल्पा डोंगरा, नरेन्द्र चैहान, यशपाल कपूर, श्रीमती सीमा समाधिया, विनोद सप्रा, वासुदेव मिश्रा, प्रमोद नरवरिया, सुनील करन, कार्तिक रोहिरा, हरीओम शर्मा, आदित्य भार्गव, लोकेन्द्र भार्गव, निमिष, भावेश डोगरा, गौरव वंसल, ऋषट तरसोलिया, पंकज जुनेजा, साकेत कुशवाह, रानी गौर, लक्ष्मी करन, अंजली नरवरिया, रेखा गम्भीर, पुष्पा कुशवाह, ऊषा बाथम, नीलम कुशवाह, अमृत डोंगरा, कृष्णा करन, पिंकी कुशवाह, नंदनी करण, हिमांशु करण एवं कथा के पारिक्षित नितिन डोंगरा, श्रीमती रूचि डोंगरा आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर ने मिट्टी के गणेशजी बनाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

ग्वालियर। पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पंहुचाने एवं नागरिकों को प्रेरित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने मिट्टी से गणेश जी की मूर्ति बनाई। ईको फ्रेंडली गणेश जी बनाने के लिए शुक्रवार को विजयनगर एक्सटेंशन पार्क चेतकपुरी में आयोजित वर्कशॉप में कलेक्टर श्रीमती चौहान शामिल हुईं। साथ ही कार्यशाला में भाग लेने आईं महिलाओं के साथ बैठकर चिकनी मिट्टी से गणेश जी की मूर्तियाँ बनाईं। साथ ही अपील की कि शहरवासी गणेश महोत्सव के पावन अवसर पर अपने-अपने घरों में मिट्टी के गणेश जी स्थापित करें। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने ईको फ्रेंडली कार्यशाला में मौजूद महिलाओं एवं छात्राओं से भी आह्वान किया कि वे अपने-अपने घरों में तो ईको फ्रेंडली मिट्टी के भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित करें हीं, साथ ही अपने पड़सियों, रिश्तेदारों व जान-पहचान वालों को भी इसके लिए प्रेरित करें। कार्यशाला में बड़ी संख्या में महिलाओं और आर्ट से जुड़ी छात्राओं ने हिस्सा

लिया। ग्वालियर शहर और जिले के पर्यावरण को प्लास्टर ऑफ पेरिस एवं कैमिकल से पहुँचने वाली हानि से बचाने के लिए सामाजिक संस्था विपिन एकता विकास परिषद द्वारा ईको फ्रेंडली गणेश जी बनाने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत शुक्रवार को विजयानगर पार्क में आयोजित वर्कशॉप में शहरवासियों को मिट्टी के गणेश जी बनाने की विधि समझाई। साथ ही गणेश उत्सव के समापन के अवसर पर अपने अपने घरों में ही मिट्टी के गणेश जी विशर्जित करने का संकल्प भी दिलाया। वर्कशॉप में विपिन एकता विकास परिषद की सुश्री रानू नाहर ने सभी को गणेश जी की प्रतिमा बनाना सिखाया। इस अवसर पर सहायक नोडल अधिकारी खेल सुश्री विजेता चौहान, श्रीमती स्वराज गुप्ता, श्रीमती अंजली गुप्ता, श्रीमती विनिता तायल, श्रीमती मेघा खंडेलवाल सहित बडी संख्या में समाज सेवी महिलायें उपस्थित रहीं।

अब निगम कमिश्नर शहर व्यवस्थित करने में जुटे, निरीक्षण कर किये अतिक्रमण चिन्हित

ग्वालियर। ग्वालियर के नये निगम कमिश्नर अमन वैष्णव का ध्यान अब शहर को व्यवस्थित करने पर लग गया है। इसके लिये निगमायुक्त ने शुक्रवार को निरीक्षण कर अतिक्रमण के प्वाइंट चिन्हित किये है। इन अतिक्रमणों को हटाने के बाद स?कें खुल जायेगी और वाहनों का आवागमन सुगम हो सकेगा। निगमायुक्त लगातार शहर की व्यवस्थाओं को सुधारने के लिये काम पर डटे है। शुक्रवार को अचानक ही निगम आयुक्त अमन वैष्णव वार्ड क्रमांक 58 में पहुंचे और पार्षद श्रीमती अपर्णा पाटिल के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त ने वार्ड में स्वच्छता व्यवस्था को देखी। इसके बाद वह उरवाई गेट के पास स्थित वंडर पार्क पहुंचे तो वहां उन्हें अतिक्रमण मिला, जिसे निगमायुक्त ने तुरंत हटाने को कहा। निरीक्षण के दौरान स्थानीय पार्षद श्रीमती अपर्णा पाटिल ने वार्ड में सड़कों की समस्या निगमायुक्त को बताई। निगमायुक्त श्री वैष्णव ने सड़कों का एस्टीमेट बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। यहां से निगमायुक्त महाराज बाड़ा और टोपी बाजार पहुंचे और निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को सफाई व्यवस्था और अधिक सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त विजय राज, अधीक्षण यंत्री जेपी पारा, डॉ. अतिबल सिंह यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

चंबल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के दो दिवसीय आठवें संस्करण का शुभारंभ 7 को

ग्वालियरः चंबल संग्रहालय पंचनद और पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित चंबल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के आठवें संस्करण का 7-8 सितंबर 2024 को जीवाजी विश्वविद्यालय के गालव सभागार हो रहा है। चंबल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल पुस्तिका रीलिज करते हुए फेस्टिवल संस्थापक और चंबल संग्रहालय, पंचनद के महानिदेशक डॉ. शाह आलम राना ने बताया कि फिल्म समारोह के दौरान चंबल म्यूजियम द्वारा अंचल पर केन्द्रित पुस्तक प्रदर्शनी और 'चंबल में आके तो देखो' विषय पर फोटो प्रदर्शनी लगाई जा रही है। उक्त जानकारी शुक्रवार को पत्रकारों को देते हुये ज्यूरी चेयरमैन और निदेशक प्रो मोहनदास, पत्रकारिता के विभागाध्यक्ष प्रो एसएन महापात्रा ने बताया कि चंबल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के आठवें संस्करण का विधिवत उद्घाटन समारोह प्रातः 11 बजे दीप प्रज्वलन और सांस्कृतिक कार्यक्रम से शुरू होगा। उद्घाटन समारोह के अतिथि फिल्म निर्माता-निर्देशक अभिक भानु, एंकर और टेलीविजन सेलिब्रिटी डॉ. दीप्ति शर्मा, सामाजिक उद्यमी संजय कुमार, फिल्म अभिनेता आरिफ शहडोली, गीतकार सूर्य प्रताप राव रेपल्ली, ज्यूरी चेयरमैन और निदेशक प्रोफेसर मोहन दास होंगे। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर अविनाश तिवारी करेंगे। मंच संचालन की जिम्मेदारी पर्यावरणविद् दुर्गाशरण दुबे और श्रीमती प्रिंयका कुशवाह निभाएंगी।

उद्घाटन समारोह के बाद पहले दिन देश-विदेश के फिल्मकारों की विभिन्न श्रेणियों में नामित फिल्में प्रदर्शित की जाएंगी। जिसे इस वर्ष की ज्यूरी सदस्य ताइवान की चर्चित फिल्मकार शिह्युन वांग, चर्चित वैश्विक पुरस्कार विजेता लेखिका और निर्देशक अनुषा श्रीनिवासन अय्यर, एंकर और टेलीविजन सेलिब्रिटी डॉ. दीप्ति शर्मा, अंतरराष्ट्रीय सेलिब्रिटी डिजाइनर मुमताज खान, फिल्म फेस्टिवल के ज्यूरी चेयरमैन और निदेशक प्रोफेसर मोहन दास ने चयन किया है। उद्घाटन समारोह के बाद नाम में क्या रखा है, आईपीएसए, कथाकार, नवरस कथा कोलाज, कर्तव्य एक प्रेरणा, ल्यूबिमा,

द स्केलपेल, रेड राइस, अनिताज डविथा, द स्टोन, बयाकेगालू बेरूरीडागा फिल्में प्रदर्शित की जाएंगी। दूसरे दिन प्रातः 10 बजे से फिल्म मेकिंग वर्कशाप शुरू होगी। इसी दौरान देश-दुनियां में रिलीज अभिक भानु द्वारा निर्देशित हिन्दी फीचर फिल्म 1922 प्रतिकार चौरी चौरा प्रदर्शन के बाद अभिक भानु दर्शकों से संवाद करेंगे। स्टक फुटेज, द रेबिट हाउस, सु शब्द नू सरनमउ, रंग बदलती दुनियां फिल्में भी प्रदर्शित की जाएंगी। पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययन केन्द्र के विभागाध्यक्ष प्रो. एस एन महापात्रा ने बताया की 'चंबल के एतिहासिक धरोहर' विषय पर फिल्ममेकिंग कंप्टीशन आयोजित किया गया था जिसमें मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के दर्जनों फिल्मकारों ने अपनी लघु फिल्में भेजी थीं। उनमें से फिल्म निर्माण प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के सदस्य फिल्म अभिनेता अवधेश चौहान, वरिष्ठ छायाकार रवि उपाध्याय, लेखिका डॉ. नेहा नरुका, वरिष्ठ पत्रकार समीर गर्ग, फिल्म समीक्षक डॉ. जितेन्द्र विसारिया नें तीन फिल्मों का चयन किया है। जिसमें प्रथम स्थान सुरों का शहर ग्वालियर, द्वितीय स्थान चंबल धरोहर एक यात्रा और तृतीय स्थान ग्वालियरः अ सिनेमेटिक एक्सपीरिएंस रहा है। यह तीनों फिल्में भी प्रदर्शित की जाएंगी। समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण समारोह अपराह्न 3.30 से शुरू होगा। समापन समारोह के अतिथि तीन बार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड गायक डॉ. गजल श्रीनिवास, अंतरराष्ट्रीय सेलिब्रिटी डिजाइनर मुमताज खान, मॉडल और फिल्म अभिनेत्री प्रियंका बजाज सिबल, दस्तावेजी फिल्म निर्माता खालिद नाईक होंगे। समापन समारोह की अध्यक्षता ग्वालियर नगर निगम महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार करेंगी। चंबल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के आठवें संस्करण की ऐतिहासिक सफलता के लिए मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति और पर्यटन मंत्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी, सामाजिक न्याय मंत्री नारायन सिंह कुशवाह, वन और पर्यावरण मंत्री रामनिवास रावत, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर आदि ने अपना शुभकामना संदेश भेजा है। चंबल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के आठवें संस्करण पुस्तिका रिलीज के दौरान आयोजन समिति से जुड़े डॉ. भुवनेश सिंह तोमर, देवी सिंह राठौर, राघवेंद्र गोयल आदि ने तैयारियों को लेकर अपनी बात रखी। पत्रकार वार्ता में प्रो भुवनेश सिंह तोमर, पचनद के महानिदेशक शाह आलम राणा आदि मौजूद थे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478